दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

डीआरडीओ द्वारा विकसित किए गए टॉरपीडो का परीक्षण सफल रहा है। इस हैवीवेट टॉरपीडो ने सफलतापूर्वक पानी के भीतर अपने लक्ष्य पर निशाना साधा।

वर्ष 52/ अंक 285/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 06 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

व्हीव्हीआईपी शादी: ग्वालियर में अलर्ट, अमित शाह-राजनाथ समेत 6 सीएम आएंगे

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की पुत्री का छह जून को होने वाले विवाह समारोह को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस वीवीआइपी आगमन की तैयारियों जुटा है। समारोह में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित छह राज्यों के सीएम आएंगे। इसके साथ ही आधा सैकड़ा से ज्यादा सांसद विवाह समारोह में शामिल होंगे।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा एवं राकेश सिंह ने श्री तोमर के साथ तैयारियों का जायजा लिया। इस वीवीआइपी आगमन के चलते जिले के सभी अधिकारियों के अवकाश निरस्त कर मुख्यालय भी छोड़ने पर मनाही है, इसके आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। शहर के सभी बड़े व मुख्य होटलों के कमरों को रिजर्व करा दिया गया है। वीआइपी सर्किट हाउस मुरार से लेकर रेस्ट हाउस भी शामिल हैं। सभी मुख्य अधिकारियों को लाइजनिंग के लिए जिम्मे देकर कलेक्टर ने आदेश जारी कर दिए।

यहां यह बता दें कि अब प्रशासन और पुलिस की सबसे बड़ी चिंता छह जून को आने वाले बड़ी संख्या में वीवीआइपी को लेकर है। इनके आगमन, कारकेड, ठहरने की व्यवस्था के साथ सुरक्षा की जिम्मेदारी अहम है। इसको लेकर अधिकारीगण लगातार बैठकें और निर्देश जारी कर रहे हैं, जिससे वीवीआइपी आगमन को लेकर सब ठीक से इंतजाम पूरे हो जाएं। इसके अलावा हेलिपेड भी एसएएफ मैदान सहित अन्य क्षेत्रों जगह तैयार किए जा सकते हैं। मुख्य दायित्व इन अफसरों व टीम को सौंपे।

कांग्रेस की सरकार बनते ही निःशुल्क होंगे महाकाल दर्शन

उज्जैन। महाकाल लोक निर्माण कार्य में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस शिवराज सरकार पर हमलावर है। पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा है कि कांग्रेस सरकार बनते ही महाकाल लोक के दोषियों पर कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कांग्रेस सरकार आने पर महाकाल दर्शन निःशुल्क करने का भी ऐलान किया है।

इंदौर-उज्जैन के संभागीय प्रभारी व राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह उज्जैन दौरे पर थे। उन्होंने उज्जैन के शहीद पार्क में युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित पर्दाफाश आमसभा में हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयवर्धन सिंह ने ऐलान किया कि,

'मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन पर लगने वाले सभी शुल्क हटाए जाएंगे। दर्शन व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क रहेगी।

घायल बाघ की हुई मौत, हुआ रेस्क्यू

बालाघाट। कान्हा राष्ट्रीय पार्क से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत कोहका में रविवार की दोपहर नर बाघ को घायल अवस्था में देखा गया। देर तक नाले के किनारे बेसुध अवस्था में रहने तथा शरीर में गंभीर चोट के निशान देखने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी। कुछ ही घंटे बाद मौके पर कान्हा प्रबंधन,वन विभाग,वन्यप्राणी चिकित्सक तथा बैहर पुलिस की टीम पहुंच गई। घायल बाघ के विशेषज्ञों की मौजूदगी में रेस्क्यू कर उपचार करने का प्रयास किया गया। लेकिन उसकी हालात बेहद नाजुक होने के कारण सफलता नहीं मिली और बाघ की मौत हो गई।

कान्हा नेशनल पार्क की सीमा से लगे गाँव कोहका में बाघ के घायल होने की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को लगी, हज़ारों की तादाद में वे मौका स्थल पहुंच गए द्य बाघ

को देखने की उत्सुकता में समय के साथ साथ भीड़ भी बढ़ गयी। जिसे काबू करने के लिए पुलिस प्रशासन की मदद लेनी पड़ी द्य वही घायल अवस्था में मिले बाघ की स्थिति गंभीर दिखाई दी द्य बाघ के शरीर में कई जगह बड़ा सा घाव भी दिखाई दिया द्य दिन भर के इंतज़ार के बाद बाघ के रेस्क्यू के लिए शाम को कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मंडला और वन विभाग की टीम डाक्टरों के साथ मौके पर पहुंची। साथ में दो हाथियों को भी लाया गया।

जम्मू में होंगे तिरुपति बालाजी के दर्शन, 8 को भव्य मंदिर का उद्घाटन

जम्मू। आंध्र प्रदेश के जिला तिरुपति में विराजमान भगवान वेंकटेश्वर अब जम्मू के भक्तों को 8 जून से दर्शन देंगे। मंदिर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर सिद्धड़ा जम्मू के मजीन गांव में निर्माणाधीन इस भव्य मंदिर के कपाट विधिवत पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। श्री माता वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु अपनी यात्रा के दौरान भगवान वेंकटेश्वर जिन्हें तिरुपति बालाजी के नाम से भी जाना जाता है, के दर्शन कर सकेंगे। वेंकटेश्वर के मुख्य मंदिर के अलावा परिसर में श्री अंदाल और श्री पद्मावती के मंदिर भी होंगे।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड द्वारा 496 कनाल भूमि में दो चरणों में बनाए जा रहे इस विशाल मंदिर पर 33.22 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पहले चरण में भगवान बालाजी का मंदिर, मंदिरों के पुजारियों व बोर्ड के स्टाफ सदस्यों के रहने के लिए आवास, शौचालय व पार्किंग स्थल बनाया जा रहा है। इनका काम लगभग अंतिम चरण में है।

कन्नूर-एर्नाकुलम इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगाने की कोशिश, 2 महीने में तीसरी घटना

कोझिकोड। केरल में कन्नूर-एर्नाकुलम इंटरसिटी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक शख्स को ट्रेन के डिब्बे में कथित तौर पर आग लगाने की कोशिश करने के आरोप में हिरासत में लिया गया। ये घटना कन्नूर-एर्णाकुलम इंटरसिटी एक्सप्रेस में सोमवार अपराह्न चार बजकर करीब 15 मिनट पर हुई। रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे पुलिस के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है। हालांकि, दोनों बलों के अधिकारियों ने यह खुलासा नहीं किया है कि आरोपी किसकी हिरासत में है। रेल अधिकारी ने बताया कि इस कोशिश के दौरान कोई घायल नहीं हुआ है। आरोपी व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान प्रतीत हो रहा है।

गौरतलब है कि गत दो महीने में राज्य में ट्रेन में आगजनी की दो घटनाएं हो चुकी हैं। पहली घटना दो अप्रैल को कोझिकोड जिले में हुई थी जिसमें एक बच्चा सहित तीन लोगों की मौत हुई थी और नौ अन्य झुलस गए थे। उस दिन आरोपी शाहरुख सैफी ने अलप्पुझा-कन्नूर एक्सक्यूटिव एक्सप्रेस ट्रेन में सह यात्रियों को उस समय आग के हवाले कर दिया था जब वह कोझिकोड के इलाथुर में वह कोरापुझा पुल से गुजर रही थी।

ओडिशा ट्रेन हादसे के बाद देश भर में सेफ्टी ड्राइव अभियान चलाएगा रेलवे

नई दिल्ली। ओडिशा ट्रेन हादसे के बाद रेल विभाग पूरे देश में सेफ्टी ड्राइव अभियान चलाने की तैयारी में है. रेलवे ने इसे लेकर एक आदेश भी जारी किया है. सूत्रों के अनुसार रेलवे ने अपने आदेश में सिग्नलिंग और बाकी ट्रेन यातायात की सेफ्टी से जुड़ी चीज़ों को गंभीरता से देखने को कहा है. ओडिशा ट्रेन हादसे के बाद अब से रिले रूम में एंट्री को लेकर खासी सख्ती और सावधानी बरतने के आदेश भी दिए गए हैं. खास बात ये है कि रिले रूम दो चाबी से खुलती है. एक चाबी स्टेशन मास्टर और दूसरी चाबी छ्व्श्व के पास होती है, मसलन दोनों की मौजूदगी जरूरी होती है।

बता दें कि स्टेशन का रिले रूम वो कमरा होता है जहां से ट्रैक का इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक कंफीग्रेशन होता है. इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग हो या प्वाइंट तक की निगरानी या इलेक्ट्रिफिकेशन से जुड़ी चीज़ों में रिले रूम की भूमिका अहम होती है.

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के पार्थिक शरीर को उनके घर तक पहुंचाने के लिए एक बड़ा फैसला किया है. नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एयरलाइंस एडवाइजरी ग्रुप के साथ हुई बैठक में एयरलाइंस कंपनियों को ये आदेश दिया है कि वो मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके शहर तक मुफ्त में पहुंचाएं। भविष्य में अगर किसी भी इलाके में कभी आपदा की स्थिति आए उस वक्त एयरलांइस कम्पनियों को उस शहर से आने और जाने वाली फ्लाइट्स के टिकट की कीमत पर निगरानी रखनी चाहिए।

मोदी के अमेरिका दौरे में बड़ा रक्षा सौदा संभव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने 21 से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए दोनों देशों के विदेश एवं रक्षा मंत्रालयों की टीमें जुटी हैं। कोशिश यह है कि सामरिक नजरिए से पीएम मोदी की यात्रा अगले 5 दशकों तक याद रखी जाए। इसके लिए सबसे ठोस कदम रक्षा क्षेत्र में उठाने की तैयारी है।

यात्रा के दौरान 350 फाइटर जेट इंजनों के भारत में निर्माण का बड़ा रणनीतिक सौदा परवान चढ़ सकता है। अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (त्नश्व) और हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स के बीच समझौते पर 22-23 जून को हस्ताक्षर होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान ही 30 रूक्त-9 क्चआर्म्ड ड्रोन खरीदने की डील भी होने की संभावना है। यह डील करीब 22 हजार करोड़ रुपए की हो सकती है। ऐसे 10 ड्रोन तीनों सेनाओं को मिलेंगे।

सौदों को गति देने के लिए अगले हफ्ते आइडिया शिखर सम्मेलन

अंतरिक्ष, ऊर्जा और व्यापार के सौदों को गति देने के लिए अमेरिका-इंडिया बिजनेस काउंसिल 12 और 13 जून को आइडिया शिखर सम्मेलन का दिल्ली में आयोजन करेगी। इसमें दोनों देशों की 200 से अधिक कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल होंगे।

हरियाली बचाना और बढ़ाना जरूरी: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झाबुआ गेल परिसर में गेल कर्मचारियों के बच्चों के साथ पीपल का पौधा रोपा। उन्होंने बच्चों को पेड़-पौधों के महत्व के बारे में जानकारी दी तथा बच्चों को अपने जन्म दिवस, माता-पिता के जन्म दिवस और परीक्षा में अच्छे अंक आने तथा जीवन की अन्य उपलब्धियों पर पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। श्री चौहान ने कहा कि धरती पर जीवन बनाए रखने के लिए हरियाली बचाना और हरियाली को बढ़ाना जरूरी है। पर्यावरण की सेवा हम सबका मानवीय और नैतिक कर्तव्य है। अतः हम जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर पौधे अवश्य लगाइये।

मुख्यमंत्री वही होगा, जिसे जनता स्वीकार करेगी: कमलनाथ

भोपाल। पीसीसी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर हमारे नेताओं ने जो भी बातें कही हैं वह आपने भी सुनी है मैंने भी सुनी है इसमें कोई बेचैनी वाली बात नहीं। अंत में वही चेहरा होगा जिसे जनता स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा- मैं मई मैं प्रदेश अध्यक्ष बना था नवंबर में चुनाव थे मध्यप्रदेश में काफी लोग मुझे पहचानते नहीं थे मेरी कार्यशैली से वाकिफ नहीं थे परंतु आज ऐसा नहीं है मध्य प्रदेश का हर वर्ग कमलनाथ को और कमलनाथ की कार्यशैली को जानता और पहचानता है।

वे आज मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी में मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा- आज मैं उपस्थित हुआ हूं उस दिन, जिस दिन हमारे मंदसौर में गोली कांड हुआ था, किसान न्याय मांग रहे थे। फसलों का सही मूल्य मांग रहे थे। और मिला क्या? पुलिस की गोलियां। जांच का नाटक चला आज तक कोई जांच की

रिपोर्ट नहीं आई। किसानों के हत्यारों से कोई न्याय की उम्मीद नहीं कर सकता। शिवराज जी का 18 वर्षों तक तो घोषणा मशीन चल ही रही थी परंतु जनता जानती है कि अगले 5 महीने यह घोषणा मशीन अब डबल स्पीड से चलेगी। इस डबल इंजन की सरकार ने मध्य प्रदेश को सत्यानाश की ओर धकेला है यह जनता जान चुकी है। हमने मंदसौर जिले में 1लाख1हजार किसानों का कर्जा माफ करके दिखाया था। मंदसौर के किसान इसके गवाह हैं। भाजपा के सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं। हमने अपनी माताओं बहनों के लिए तो नारी सम्मान योजना लॉन्च की है परंतु कृषि क्षेत्र के उन्नति या हमारी पहली प्राथमिकता होगी और हमारे घोषणा पत्र में इसके लिए अलग से प्रावधान होंगे। हमारी पार्टी का साफ एजेंडा है कि किसानों को फसल का सही मूल्य मिले और किसानों को खाद और बीज के लिए , हमारी सरकार के दौरान किसान को खाद बीज के लिए भटकना नहीं पड़ा था। आज स्थिति यह है कि अतिवृष्टि में घोटाला ओलावृष्टि में घोटाला मुआवजे में घोटाला हो रहा है।

आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग आज से, ब्याज दरों में बदलाव नहीं होने का अनुमान

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग आज मंगलवार (6 जून) से शुरू हो रही है। 8 जून को एमपीसी के फैसलों का ऐलान किया जाएगा। मई 2022 से फरवरी 2023 तक आरबीआई ने दरों में 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। पिछली मीटिंग जो अप्रैल में हुई थी उसमें रेपो रेट को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया था। मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है।

एसबीआई का मानना है कि इस बैठक में भी आरबीआई रेपो रेट को अपरिवर्तित रखेगा। एफवाय 24 के लिए महंगाई के अनुमान को भी घटाया जा सकता है। पिछली मीटिंग में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था, इकोनॉमी में जारी रिकवरी को बरकरार रखने के लिए हमने पॉलिसी रेट में बदलाव नहीं किया है, लेकिन जरूरत पड़ने पर हम स्थिति के हिसाब से कदम उठाएंगे।

विधानसभा चुनाव के पहले सचिन पायलट बनाएंगे नई पार्टी, 11 जून को कर सकते हैं ऐलान

जयपुर। राजस्थान में चुनावी सरगर्मी के बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट अपने क्षेत्रीय संगठन की रूपरेखा को अंतिम रूप दे रहे हैं। उनकी नई पार्टी की घोषणा 11 जून को हो सकती है। पायलट की नई पार्टी का नाम प्रगतिशील कांग्रेस हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के दिग्गज नेता और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ लगातार बगावत का झंडा बुलंद करने वाले पायलट रविवार (11 जून 2023) को ऐलान कर सकते हैं। इसी दिन सचिन पायलट के पिता राजेश पायलट की पुण्यतिथि है।

कांग्रेस हाईकमान ने बीते दिनों ही दिल्ली में बुलाकर अशोक गहलोत और सचिन पायलट से मुलाकात की थी। तब कांग्रेस नेताओं ने दावा किया था कि सचिन पायलट और अशोक गहलोत साथ काम करेंगे। यह भी

कहा गया कि फॉर्म्यूले के तहत सचिन पायलट को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का फैसला लिया गया है। हालांकि सचिन पायलट कैंप की ओर से ऐसी खबरों को खारिज कर दिया गया और उन्होंने कहा कि वह अपने मुद्दों पर डटे हुए हैं। अब चर्चा है कि सचिन पायलट 11 जून को जयपुर में एक रैली करेंगे और हजारों समर्थकों की मौजूदगी में नया दल बनाने का ऐलान करेंगे।

नई पार्टी बनाई तो कितने विधायक जाएंगे पायलट के साथ

सचिन पायलट यदि नई पार्टी बनाते हैं तो इस बात पर भी होगी कि कांग्रेस के कितने विधायक उनके साथ जाते हैं? इसके अलावा अशोक गहलोत की सरकार के सामने कोई खतरा पैदा होगा या नहीं। इससे पहले 2020 में भी जब सचिन पायलट ने बागी तेवर अपनाए थे तो उनके साथ 19 विधायक थे। माना जा रहा है कि इस बार भी कई लोग उनके साथ रह सकते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक रहे सचिन पायलट ने अपनी ही सरकार पर कई आरोप लगाए हैं, जिनमें से एक यह है कि भाजपा की वसुंधरा सरकार दौरान हुए करप्शन की जांच नहीं कराई गई।

महिला पहलवानों के नौकरी जाइन करने से नाराज हुए खाप नेता

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ चल रहे आंदोलन के बीच रेसलर्स विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक के रेलवे में नौकरी जॉइन करने से किसान और

खाप नेता नाराज हो गए हैं। ये लोग कुरुक्षेत्र में महापंचायत करने वाले थे। अब इन्होंने 9 जून को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन को टाल दिया है। इन किसान नेताओं ने कुरूक्षेत्र की महापंचायत में अल्टीमेटम दिया था कि 9 जून तक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वे जंतर-मंतर पहलवानों का फिर से प्रदर्शन शुरू कराकर आएंगे।

मणिपुर में सर्च ऑपरेशन के दौरान फायरिंग, बीएसएफ जवान शहीद

इंफाल। मणिपुर में सोमवार को हुई हिंसा में घायल एक बीएसएफ जवान रंजीत यादव की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। सेना के स्पीयर कोर ने बताया कि 5 मई को सर्च ऑपरेशन के दौरान स्थानीय लोगों और जवानों के बीच

गोलीबारी हुई थी, जिसमें बीएसएफ जवान घायल हो गया था। असम राइफल्स के भी दो जवानों को गोली लगी है। इन्हें एयरलिफ्ट कर मंत्रीपुखरी ले जाया गया। राज्य में कूकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से जातीय हिंसा चल रही है। हिंसा में अब तक 98 लोगों की मौत हो चुकी है, 310 घायल हैं। वहीं, 37 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविर में भेजे गए हैं।

मप्र में सरकारी छुट्टियों की बौछार, हर महीने औसतन 15 दिन का ऑफिस

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने इस महीने 2 नई छुट्टियों की घोषणा की है। जिसके बाद अब सरकारी कर्मचारियों को 365 दिन में से 182 दफ्तर नहीं जाना होगा। दरअसल, मध्यप्रदेश में चुनावी साल में समाजों को साधने के लिए महापुरुषों के जन्म दिवस को अवकाश घोषणा किया है। रविवार 4 जून को ब्राह्मण समाज के सम्मेलन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भगवान परशुराम की जयंती पर अवकाश का ऐलान किया है। इसके अलावा 1 जून को भोपाल के गौरव दिवस के मौके पर सीएम चौहान ने भोपाल में अवकाश की घोषणा की थी।

मध्य प्रदेश में इतनी सरकारी छुट्टियों हो गई हैं कि हर महीने सरकारी कर्मचारियों को औसतन 15 दिन दफ्तर आने पर उन्हें पूरी तनख्वाह मिल सकती है। दरअसल, साल में छह महीने (182 दिन) दफ्तर नहीं जाएं।

18 मार्च 2023 को सीएम ने टोडरमल जयंती पर मंदसौर में स्थानीय अवकाश की घोषणा की। वहीं, 28 दिसंबर 2022 को मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर जानकारी दी कि महाराज खेत सिंह की जयंती पर खंगार समाज के कर्मचारियों के लिए ऐच्छिक अवकाश रहेगा। 15 मार्च को विश्वकर्मा जयंती पर उन्होंने ऐच्छिक अवकाश की घोषणा की थी। सितंबर 2022 से अब तक 9 महीने में कुल 5 छुट्टियां घोषित हो चुकी हैं।

छुट्टी का गणित- मध्यप्रदेश में 2023 के सरकारी कैलेंडर के मुताबिक अधिकारी-कर्मचारियों को 131 छुट्टियां मिल रही हैं। इसमें से 105 अवकाश तो शनिवार व रविवार के हैं, जबकि 26 अवकाश धार्मिक त्योहार व जयंती पर अलग से मिल रहे हैं। वहीं, प्रशासनिक कामकाज के हिसाब से देखें, तो इन छुट्टियों के अलावा एक कर्मचारी को साल में 51 अवकाश अलग से मिलते हैं। इसमें 30 अर्जित अवकाश, 15 आकस्मिक अवकाश व 3 ऐच्छिक अवकाश और 3 स्थानीय अवकाश हैं।

जिला कोरोना मुक्त फिर भी 5 डे वर्किंग

कोरोना संक्रमण काल में मध्य प्रदेश सरकार ने सभी दफ्तरों में सोमवार से लेकर शुक्रवार तक कार्य दिवस घोषित कर रखा है। बाकी दो दिन छुट्टी है। जबकि, ताजा आंकड़ों के मुताबिक भोपाल कोरोना मुक्त हो गया है। इसके बावजूद अभी भी 5 डे वर्किंग प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में सरकारी दफ्तरों में स्टाफ की कमी होने की वजह से आमजनों को सरकारी कामकाज के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

- प्रदेश में अब सभी महिला कर्मचारियों को 7 दिनों का अतिरिक्त आकस्मिक अवकाश दी जाएगी।
- स्थानीय और ऐच्छिक अवकाश अलग
- छुट्टी नियम के अनुसार कोई भी सरकारी कर्मचारी इन 64 अवकाशों में से 3 दिन अपनी इच्छा अनुसार छुट्टी ले सकते हैं

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी भूमिका का निर्वहन करें: सूर्यवंशी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधरोपण जैसे छोटे प्रयास कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी भूमिका का निर्वहन करें। अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने यह विचार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिटुआ (भोज इंफर्मेशन टेक्नालॉजी एंड आफिस आटोमेशन डीलर्स एसोसिएशन) संस्था द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन के रूप में व्यक्त किए। इस अवसर पर श्री सूर्यवंशी ने पौधरोपण भी किया और पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को महाराणा प्रताप नगर में आयोजित कार्यक्रम में श्री सूर्यवंशी ने कहा कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण को बचाने जैसे विषयों पर गहन चिंतन किया जा रहा है ऐसे में हम सबको अपने स्तर पर पौधरोपण के साथ ही ऊर्जा की बचत जैसे छोटे-छोटे प्रयास करने होंगे। श्री सूर्यवंशी ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रतिदिन पौधा लगाने के संकल्प का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे मुख्यमंत्री जी अपने संकल्प के तहत निरंतर प्रतिदिन पौधा लगा रहे हैं और उन्होंने इस क्षेत्र में कीर्तिमान भी स्थापित किया है। श्री सूर्यवंशी ने कहा कि हम सबको भी प्रतिदिन न सही, परिजनों के जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ सहित अन्य अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए ताकि आने वाले समय में हम पर्यावरण को संरक्षित रखने में सफल हो सकें। इस अवसर पर श्री सूर्यवंशी ने उपस्थित जन का आव्हान किया कि वे स्वच्छ सर्वेक्षण में अपने शहर को सबसे स्वच्छ शहर बनाने में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करें और अपनी दुकानों के सामने डस्टबिन अवश्य रखें साथ ही स्वयं भी गंदगी न करें और गंदगी फैलाने वालों को भी गंदगी न करने हेतु समझाइश दें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बिटुआ सामाजिक संस्था के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

नव युवक परिषद ने गोद लिए विद्यार्थियों को किया शिक्षण सामग्री का वितरण

संत हिरदाराम नगर। नव युवक परिषद द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए गोद लिए गए विद्यार्थियों हेतु शैक्षणिक सहायक सामग्री के वितरण का शुभारंभ गाँधीनगर से किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में नवयुवक परिषद द्वारा गोद लिए गए बच्चों की संख्या लगभग 2100 है, जिनमें से लगभग 300 गाँधीनगर क्षेत्र से आते हैं। लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामग्री का वितरण के लिए तरुण मूलचंदानी, सिमरन मूलचंदानी एवं विवा दीपेश जोशी, श्रेय मूलचंदानी, अथर्व जोशी विशेष रूप से उपस्थित थे। सेवासदन के मैनेजिंग ट्रस्टी एलसी जनियानी ने सिद्ध भाऊ के विजन और मिशन के बारे में उपस्थित प्रबुद्धजनों को जानकारी दी। सिमरन मूलचंदानी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से बच्चों को उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। विवा जोशी ने बच्चों को एक कहानी के माध्यम से समझाते हुए कहा कि हम न केवल अच्छी शिक्षा हासिल करें बल्कि अपने स्वभाव और विचारों पर भी कार्य करें।

मिशन लाइफ में लक्ष्य से दोगुना हासिल की उपलब्धि

भोपाल। मिशन लाइफ में केन्द्र सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रदेश के वन विभाग को 5 जून तक मिले लक्ष्य से दो गुना अधिक गतिविधियाँ पूर्ण कर कीर्तिमान हासिल हुआ है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (संरक्षण) डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा 2 मई 2023 को 20 हजार गतिविधियाँ मेरी लाइफ पोर्टल पर अपलोड करने का लक्ष्य दिया गया था। इसमें विभाग ने 4 जून 2023 तक 38 हजार 824 गतिविधियाँ पूर्ण करने में सफलता हासिल की है। इस अवधि में 15 हजार 628 वन समितियों, सभी अधीनस्थ और क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यक्रम कर 1 लाख 22 हजार 736 एक्शन इवेंट्स में 6 लाख 27 हजार 974 लोगों द्वारा भागीदारी करवाते हुए 6 लाख 5 हजार 128 लोगों को शपथ दिलवा कर देश भर में मध्यप्रदेश का नाम अग्रणी रहा है। वन मंत्री डॉ. विजय शाह, अपर मुख्य सचिव श्री जे.एन. कंसोटिया एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री रमेश कुमार गुप्ता ने विभागीय अधिकारी और वन अमले को बधाई दी है।

स्पार्क पब्लिक स्कूल का सफलतम एक वर्ष पूरा

भोपाल। फीट हिनोतिया अशोका गार्डन स्थित स्पार्क पब्लिक स्कूल का सफलतापूर्वक संचालन का 1 वर्ष पूर्व हुआ इस्पात पब्लिक स्कूल पर इस समय 125 लगभग 125 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तथागत शिक्षा एवं समाज सेवा समिति द्वारा संचालित स्पार्क पब्लिक स्कूल के संचालक के राजा राम ने बताया कि इस समिति का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को शिक्षा उपलब्ध कराना है पांचवी और आठवीं की बोर्ड परीक्षा में स्पार्क पब्लिक स्कूल के छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा के राजा राम ने कहा कि स्पार्क पब्लिक स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रहा है उन्होंने स्पार्क पब्लिक स्कूल के 1 वर्ष सफलतापूर्वक संचालन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में बेहतरीन

कुंजल वेलफेयर सोसायटी और ग्रीन भोपाल टीम किया पौधारोपण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कुंजल वेलफेयर सोसायटी और ग्रीन भोपाल टीम के संयुक्त प्रयास से विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम मनुआभान की टेकरी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 पौधों का रोपण किया गया। पंछियों के लिए सकोरे में पानी भरा गया और उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

कुंजल वेलफेयर सोसायटी की निदेशक प्रभा गौर ने उपस्थित लोगों को बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एक स्टडी के मुताबिक पूरे विश्व में हर साल 400 मिलि टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से सिर्फ 50 फीसदी का ही फिर से प्रयोग हो पाता है और मात्र 10 प्रतिशत की ही रिसाइकिलिंग हो पाती है। ऐसे में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हमारे पर्यावरण को किसी न किसी रूप में नुकसान पहुंचा रहा है, जिसमें 19 से 23 मिलियन टन प्लास्टिक हमारे तालाबों, नदियों और समुद्र में पहुंच जाता है। इसी प्रकार, संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हर व्यक्ति 50,000 प्लास्टिक कणों का हर साल किसी न किसी रूप में उपभोग कर रहा है। प्लास्टिक में कार्सिनोजेनिक रसायन होते हैं जो कि जीवों के शरीर में अंत:स्रावी तंत्र को सीधा प्रभावित करते हैं। इसके चलते प्रजनन, न्यूरोलॉजिकल और प्रतिरक्षा से सम्बन्धित बीमारियां हो रही हैं। प्लास्टिक कचरे से पर्यटन उद्योग भी सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है। देश हो या विदेश लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर हजारों टन कचरा जमा होता जा रहा है, जिसके कारण उस स्थल की लोकप्रियता कम हो रही है और वहां के लोगों की आय में कमी हो रही है, इसके लिए प्लास्टिक का प्रयोग न करें॰ कचरा प्रबन्धन करें। मनोज गौड़ ने उपस्थित लोगों को बताया कि अत्यधिक दोहन से हमारा पर्यावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है। जिससे इस पर रहने वाले जीव जन्तु जलवायु समेत सभी चीजें प्रदूषित हो रही हैं और सभी जीवों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है इससे बचाव के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग पेड़ लगाएं। ऐसी परिस्थितियों में यह जीवनदायिनी पेड़ पौधे ही हमारी आने वाले पीढ़ियों को बचा सकते हैं। हमें एकजुट होकर इसे गंभीरता से लेना होगा ड्ढ वन प्रबन्धन, ग्रीन हाउस गैस को नियन्त्रण करना ड्ढ पन बिजली संयंत्र का उपयोग या सोलर उर्जा के इस्तेमाल करने से हमारा वातावरण शुद्ध हो सकता है। इस कार्यक्रम में डॉ. रमेश माधव, डॉ. किरन ग्रोवर, तबस्सुम, पूजा, संजय तिवारी, प्रोफ़ेसर व पर्यावरण विशेषज्ञ ने अपने अपने अनुभव साझा किए। संस्था अध्यक्ष आर एन पाटिल ने पूरे माह के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों के लिए सभी सहयोगियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस कार्यक्रम में डाक्टर, बैंक अधिकारी, प्रोफ़ेसर, पर्यावरण

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में अधिक से अधिक युवाओं को जोडे: कलेक्टर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलेक्टर आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन कराया जाए। इसके लिया आईटीआई, 12वीं पास, स्नातक के बच्चों को इससे जोड़ा जाए और उनका पंजीयन कराया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिए आईटीआई के पास आउट छात्र, रोजगार कार्यालय में पंजीकृत युवाओं की सूची मंगाकर संपर्क किया जाए और उनको योजना के लाभ के बारे में अवगत कराए।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि 22 मई से 6 जून तक अलग-अलग प्रतिष्ठानों के सेमिनार आयोजित कर योजना के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 7 जून से प्रशिक्षण देने वाले संस्थानों का पोर्टल पर पंजीयन शुरू होंगा। 15 जून से युवाओं का पंजीयन किया जाएगा। इसके बाद कंपनी के द्वारा चयन होने पर उन सभी युवाओं का 31 जुलाई से प्रशिक्षण शुरू होंगा। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 42 क्षेत्र की उद्योग, सेवा प्रदत्त कंपनी अन्य क्षेत्र के फॉर्मों को भी रखा गया है जो युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए पंजीयन कर सकती है। टीएल बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री ऋतुराज सिंह, एडीएम श्री हृदय नारायण सिंह, श्रीमती माया अवस्थी, एसडीएम और अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में सीएम हेल्पलाइन और अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा हुई और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश भी दिए है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वास्थ्य संस्थाओं में हुए जागरूकता कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस सोमवार को बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन की थीम पर मनाया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा पर्यावरण रंगोली, नुक्कड़ नाटक, मानव श्रृंखला बनाकर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अमले द्वारा शिवाजी नगर चौराहे पर कार्यक्रम में पर्यावरणीय असंतुलन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रभावों को रंगोली बनाकर प्रदर्शित किया गया। ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण प्रदूषण से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की जानकारी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी गई। साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए संकल्प किया गया। इस अवसर पर जिले की सभी स्वास्थ्य संथाओं में भी औषधीय पौधे रोपे गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण का नकारात्मक प्रभाव बुजुर्गों, गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों, गर्भवती महिलाओं एवं छोटे बच्चों पर अधिक होता है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए पर्यावरण की सुरक्षा करना बेहद जरूरी है। प्लास्टिक उपयोग भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। पर्यावरण असंतुलन के कारण ग्लोबल वार्मिंग तेजी से बढ़ रही है। दूषित वायु, दूषित जल और दूषित खाद्य पदार्थ हमारे स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष रूप से नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। वायु प्रदूषण का सबसे अधिक असर हमारे फेफड़ों पर पड़ता है। लू एवं तापघात की तीव्रता के साथ ही बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि से मानव स्वास्थ्य प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है। पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन के कारण अस्थमा एवं श्वसन संबंधी बीमारियां, कैंसर, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां, स्ट्रोक, खाद्य जनित बीमारियां, मानसिक स्वास्थ्य, तनाव, न्यूरोलॉजिकल बीमारियां, वेक्टर बोर्न जल जनित एवं मौसमी बीमारियां परिलक्षित हो रही है। हमें यह संकल्प लेना बेहद आवश्यक है कि हम अपने आसपास के परिवेश में वायु प्रदूषण के सभी संभावित कारकों को कम करेंगे।

ओडिसा ट्रेन हादसे में दिवगंतों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। खाटू श्याम ,सालासर बालाजी जा रहे 101 श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व रेलवे स्टेशन पर ओडिसा ट्रेन हादसे में दिवंगत आत्माओं को 2 मिनट का मौन रख भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर यात्रा के संयोजक शुभम श्रीवास ने बताया यात्रा कल सुबह ट्रेन द्वारा खाटू श्याम एवं सालासर पहुंच कर ओडिसा ट्रेन हादसे में दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु प्रार्थना करेंगे । इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा एव पार्षद मनोज राठौर ने सभी श्रद्धुलाओ को भगवा गमक्षा पहनाकर फूलो की वर्षा कर स्वागत कर यात्रा मंगलकामनाएं की शुभकामाए दी।

देश की संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाएगी जन अभियान परिषद

संस्कृति विभाग और जन-अभियान परिषद के बीच हुआ एमओयू

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश की संस्कृति को जन जन तक पहुँचाने में जन-अभियान परिषद एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सांस्कृतिक और शैक्षिक क्षेत्रों में सहयोग के उद्देश्य को लेकर संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री उषा ठाकुर और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की उपस्थिति में मंत्रालय में संस्कृति विभाग और जन-अभियान परिषद के बीच एमओयू साइन हुआ। संस्कृति विभाग की ओर से संचालक संस्कृति श्री अदिति कुमार त्रिपाठी ने और जन-अभियान परिषद की ओर से कार्यपालक निदेशक डॉ. धीरेंद्र कुमार पांडे ने हस्ताक्षर किए। जन-अभियान परिषद के महानिदेशक बी. आर. नायडू उपस्थित रहे। एमओयू विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक तथा कला से संबंधित कार्यक्रमों का संयुक्त रूप से आयोजन, संचालन, मेजबानी और प्रचार-प्रसार करने पर केंद्रित है। समझौता ज्ञापन की अवधि 3 वर्ष की होगी, जिसे आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकेगा। एमओयू का उद्देश्य संस्कृति विभाग तथा मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद के बीच सक्रिय रूप से भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ एक संस्थागत ढाँचा प्रदान करना है। परिषद संस्कृति विभाग के सांस्कृतिक अधिदेश को पूर्ण करने और सुदृढ़ करने के साथ राज्य की संस्कृति और उसके विकास तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

बालाघाट जिले का परसवाड़ा क्षेत्र विकास के मामले में विशिष्ट पहचान बनायेगा : कावरे

आयुष राज्य मंत्री ने 64 लाख रूपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रामकिशोर नानो कावरे ने कहा है कि बालाघाट जिले का परसवाड़ा क्षेत्र विकास के मामले में प्रदेशभर में विशिष्ट पहचान बनायेगा। क्षेत्र में लगातार अधो-संरचना के कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। राज्य मंत्री कावरे आज परसवाड़ा विकासखण्ड के ग्राम फतेनपुर, झिरिया, चीनी और ग्राम बघोली में करीब 64 लाख रूपये के 4 निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्य मंत्री कावरे ने इन ग्रामों में सुदूर सड़क निर्माण और पहुँच मार्गों का भूमि-पूजन किया। राज्य मंत्री ने निर्माण एजेंसियों को इन

कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिये। राज्य मंत्री श्री कावरे ने इन ग्रामों में महिलाओं को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के स्वीकृति-पत्र भी वितरित किये। उन्होंने कहा कि 10 जून से महिलाओं के खाते में प्रतिमाह 1000 रूपये की राशि आना शुरू हो जायेगी।

परसवाड़ा क्षेत्र को मिली एम्बुलेंस

राज्य मंत्री कावरे ने आज सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र परसवाड़ा को मरीजों की सुविधा के लिये एम्बुलेंस भेंट की। यह एम्बुलेंस मेग्नीज इण्डिया लिमिटेड द्वारा सीएसआर फण्ड में परसवाड़ा सामुदायिक केन्द्र को दी गई है। राज्य मंत्री कावरे ने आज एक्स-रे मशीन का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को अपने ही गाँव में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी।

6 दिन में फिर जांची 5 लाख उत्तर पुस्तिकाएं

फेल घोषित 5वीं और 8वीं के 89 हजार विद्यार्थी उत्तीर्ण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा इस वर्ष आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षा के पुन: परीक्षण उपरांत संशोधित परीक्षा परिणाम आज घोषित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इन परीक्षाओं के वार्षिक परिणाम विगत 15 मई 2023 को घोषित किए गए थे। जिसमें कतिपय शालाओं के द्वारा विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट अंकों की प्रविष्टि नही करने के कारण कुछ बच्चे अनुर्तीण हुए थे। इसके साथ ही कई विद्यार्थी मात्र 1 या 2 विषयों में अनुर्तीण थे।

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री धनराजू एस ने बताया कि, इस संबंध में माननीय स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इन्दर सिंह परमार के दिशा निर्देशों के अनुसार विभाग ने समस्त 24 लाख विद्यार्थियों के डाटा विश्लेषण के उपरांत ऐसे लगभग 3 लाख 89 हजार से अधिक विद्यार्थियों को चिन्हित किया जो शालाओं के द्वारा प्रोजेक्ट अंकों की प्रविष्टि नही करने के कारण या मात्र 1 या 2 विषयों में अनुर्तीण थे।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने छात्रहित में उन सभी विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों का पुन: परीक्षण करने का निर्णय लिया। इस हेतु समयबध्द कार्यनीति तैयार करते हुए 27 मई से 3 जून की अल्प अवधि में ऐसे 3 लाख 89 हजार 764 विद्यार्थियों की लगभग 5 लाख उत्तरपुस्तिकाओं का पुन: परीक्षण कर अंकों की प्रविष्टि तथा प्राप्ताकों का मिलान कर आवश्यकता होने पर सुधार किया गया। साथ ही शालाओं को प्रोजेक्ट अंकों की प्रविष्टि का अवसर भी प्रदान किया गया। इस प्रक्रिया के उपरांत कक्षा 5वीं के 44 हजार 293 तथा कक्षा 8वीं के 44 हजार 751 अतिरिक्त विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए हैं। जिसके उपरांत सत्र 2022-23 में कक्षा 8वीं का परीक्षा परिणाम 76.09 से बढकर 80.29 प्रतिशत एवं कक्षा 5वीं का परीक्षा परिणाम 82.27 से बढकर 86.02 प्रतिशत हुआ है।

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने बताया कि कक्षा 5वीं एवं 8वीं के ऐसे विद्यार्थी जो पूर्व में 15 मई 2023 के परीक्षा फल में मात्र 1 या 2 विषयों में अनुर्तीण थे अथवा जिनकी शालाओं द्वारा उनके प्रोजेक्ट कार्यो के अंको की प्रविष्ठि उनकी अंकसूची में नही की जाने के कारण अनुर्तीण थे वे संशोधित परीक्षा परिणाम राज्य शिक्षा केन्द्र की वेबलिंक https://shorturl.at/owYvy या https://shorturl.at/jkrCU पर देख सकते है। संशोधित परीक्षा परिणाम में परिवर्तन की स्थिति में संबंधित शालाएं ऐसे विद्यार्थी को नवीन अंकसूची उपलब्ध करायेगी।

कक्षा 8 का परिणाम

सम्मिलित छात्र 1066405
पूर्व में जारी उत्तीर्ण छात्र 811433
पूर्व में जारी उत्तीर्ण प्रतिशत 76.09 प्रतिशत
पुनर्मूल्यांकन तथा प्रोजेक्ट अंक प्रविष्टि उपरांत उत्तीर्ण छात्र 856184
पुनर्मूल्यांकन तथा प्रोजेक्ट अंक प्रविष्टि उपरांत उत्तीर्ण प्रतिशत 80.29 प्रतिशत
अंतर उत्तीर्ण छात्र 44751
अंतर उत्तीर्ण प्रतिशत 4.20 प्रतिशत

कक्षा 5 का परिणाम

सम्मिलित छात्र 1179883
पूर्व में जारी उत्तीर्ण छात्र 958619
पूर्व में जारी उत्तीर्ण प्रतिशत 82.27 प्रतिशत
पुनर्मूल्यांकन तथा प्रोजेक्ट अंक प्रविष्टि उपरांत उत्तीर्ण छात्र 1014994
पुनर्मूल्यांकन तथा प्रोजेक्ट अंक प्रविष्टि उपरांत उत्तीर्ण प्रतिशत 86.02 प्रतिशत
अंतर उत्तीर्ण छात्र 44293
अंतर उत्तीर्ण प्रतिशत 3.75 प्रतिशत

लाड़ली बहना सेना मैदानी स्तर पर करें योजनाओं की निगरानी: शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री झाबुआ में महिला सम्मेलन में शामिल हुए, भगोरिया नृत्य और पुष्प-वर्षा से हुआ स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मेरी जिंदगी का मकसद बहनों की जिन्दगी को बेहतर बनाना है। प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिये अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं में से अनूठी लाड़ली बहना योजना से बहनों में आत्म-निर्भरता आयेगी। आगामी 10 जून को बहनों के खातों में एक-एक हजार रूपये की राशि अंतरित की जायेगी। बहनें अगले दिन 11 जून को इस राशि का बैंक आहरण कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के हित में संचालित योजनाओं की मैदानी स्तर पर निगरानी के लिये हर गाँव में लाड़ली बहना सेना बनाई जा रही है। बहनें बेहिचक योजनाओं के क्रियान्वयन में होने वाली गड़बड़ियों की जानकारी मुझे दें। मैं गड़बड़ी करने वालों को छोड़ूंगा नहीं। मुख्यमंत्री चौहान आज झाबुआ में महिला सम्मेलन में शामिल हुए। बहनों ने मुख्यमंत्री का स्वागत भगोरिया नृत्य और पुष्प-वर्षा के साथ किया। मुख्यमंत्री को बहनों ने रक्षा-सूत्र बाँधे और एक बड़ी राखी भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोई बहन गरीब नहीं रहेगी और न ही मजबूरी में जीवन बितायेंगी। मैं अपनी बहनों की आँखों में आँसू नहीं आने दूंगा। लाड़ली बहना योजना से बहनें अपनी जरूरत एवं परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि

आजीविका मिशन से महिलाओं को जोड़ कर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। मेरा संकल्प है कि प्रत्येक बहन की मासिक आय 10 हजार रूपये हो जाये। उन्होंने बहनों को स्व-सहायता समूहों से जुड़ने का आहवान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब एक नया ज़माना आया है, जहाँ महिलाएँ अधिक सशक्त होंगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मैं झाबुआ को प्रणाम करता हूँ, यहाँ बेटा और बेटी में भेदभाव नहीं किया जाता। मैंने अनेक जगह बेटियों के साथ भेदभाव होते देखा था। समाज की इस मानसिकता को बदलने के लिये प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना लागू की गई। योजना से बेटियाँ अब बोझ नहीं वरदान मानी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बहनों को सम्मान देने के लिये हमने स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के लिये किया है। इसी का परिणाम है कि आज हमारी बहुत सी बहनें पंच-सरपंच, जनपद और जिला पंचायत सदस्य एवं अध्यक्ष बनी हैं। बेटियों को पुलिस, शिक्षा सहित अन्य शासकीय भर्तियों में भी आरक्षण का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री चौहान ने उपस्थित सभी बहनों से आग्रह किया कि 10 जून की शाम को जब लाड़ली बहना योजना की राशि उनके खाते में डाली जायेगी तो वे उत्सव ज़रूर मनाये, अपने घरों में एक दीपक ज़रूर जलाएँ। मुख्यमंत्री चौहान ने अपने भावनात्मक संवाद में कहा कि मैं वचन देता हूँ कि जिऊँगा तो बहनों के लिए और कभी मरना पड़ा तो मरेंगे भी अपनी बहनों के लिए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग़रीब वर्ग और महिलाओं के लिए बहुत काम किया है। मध्यप्रदेश में पूर्व की सरकार ने जो योजनाएँ बंद कर दी थी, उन्हें हमने पुनः प्रारम्भ किया है। मुख्यमंत्री चौहान ने कन्या-पूजन किया। जनजातीय दलों ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। महिलाओं ने लाड़ली बहना योजना पर केन्द्रित संदेशपरक नाटिका की प्रस्तुति भी दी। मुख्यमंत्री चौहान ने दोनों दलों को 25-25 हज़ार रूपये की सम्मान राशि भेंट करने की घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। साथ ही बहनों को लाड़ली बहना योजना के स्वीकृति-पत्र और हितलाभ वितरित किये। मुख्यमंत्री चौहान ने बहनों और जन-सेवा मित्रों से संवाद कर शासकीय योजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की जानकारी ली। झाबुआ के गिल रेस्ट हाउस में पीपल का पौधा भी रोपा।

भोपाल। पर्यावरण दिवस के अवसर पर संचालनालय नगर तथा ग्राम निवेश के कर्मचारियों ने पर्यावरण परिसर मे सफाई अभियान मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रगतिशील नगर तथा ग्राम निवेश कर्मचारी कल्याण संघ ने निर्णय लिया की हर कर्मचारी के जन्मदिन पर परिसर मे पेड़ लगाया जायेगा।

साहित्यकारों की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका: संस्कृति मंत्री

भोपाल। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि साहित्यकारों की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए साहित्यकार देश और समाज के प्रति सकारात्मक दायित्व का निर्वाह अवश्य सुनिश्चित करें। मंत्री सुश्री ठाकुर राज्य संग्रहालय में उर्दू अकादमी के अलंकरण समारोह एवं संगीत संध्या को संबोधित कर रही थी। मंत्री सुश्री ठाकुर ने कहा कि यह सभी पुरस्कार साहित्यकारों की जीवन भर की अथक और निरंतर साधना का घोतक है। साहित्यकार अपने शोध कार्य में जीवन भर के अनुभवों एवं अनुभूतियों को समाहित करते है ताकि साहित्य देश और समाज के लिए प्रेरक बन सकें। मंत्री सुश्री ठाकुर ने मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा आगामी दिनों में प्रदेश भर में होने वाले सिलसिला एवं तलाशे जौहर श्रृंखला की समय सारिणी का विमोचन भी किया। अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने जानकारी देते हुए कहा कि अकादमी द्वारा पहले व्यक्ति विशेष को उसकी साहित्यिक सेवाओं के आधार पर पुरस्कार दिये जाते थे। वर्ष 2021-22 से मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा उर्दू भाषा एवं साहित्य से संबंधित विभिन्न विधाओं पर आधारित प्रकाशित पुस्तकों पर अखिल भारतीय एवं प्रादेशिक पुरस्कार दिये जाने का सिलसिला शुरू किया गया है। इसका लाभ यह हुआ कि उर्दू साहित्य की लुप्त होती हुई अनेक विधाओं पर कार्य शुरू हुआ है और इस बार हमें उर्दू साहित्य की अनेक विधाओं पर काफ़ी संख्या में

प्रज्ञा प्रवाह मध्य प्रांत महिला आयाम ने पर्यावरण संरक्षण पर लगाई प्रदर्शनी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रज्ञा प्रवाह मध्य प्रांत महिला आयाम द्वारा पर्यावरण संरक्षण प्रदर्शनी महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेल भोपाल में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि कल्पना श्रीवास्तव आईएएस ने फीता काट कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम अध्यक्ष धीरेन्द्र चतुर्वेदी अपर संचालक लोक शिक्षण, प्रभारी डा. वन्दना मिश्र, प्राचार्य डॉ हेमलता परिहार, विशेष अतिथि श्रीराम माहेश्वरी, सारस्वत अतिथि सुनील दुबे तथा साहित्यकार हरि वल्लभ शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रशंसा की। लेखकों और शिक्षिकाओं ने पर्यावरण पर कविताओं का वाचन किया।

डा सविता सिंह, डा सुधा दुबे, डा नीलिमा रंजन, डा भावना शर्मा, डा रेखा नायक, सरोज लता सोनी, सुनीता शर्मा सिद्ध, कुसुम श्रीवास्तव, करुणा श्रीवास्तव, सीमा हरि शर्मा, राजकुमारी चौकसे प्रेरणा, डा साधना शुक्ला, सीमा सरन, ऊषा चतुर्वेदी, श्यामा गुप्ता दर्शना, खंजन सिन्हा, पूजा कुशवाहा, सरोज दवे, किरन प्रसाद सिंह, रक्षा गुप्ता, इंदिरा रानी दुबे, विनीता गुप्ता, तृप्ति चौबे, मृगाक्षी पाण्डेय, मयंक विरहा, श्रयांस खरे, नीरज जायसवाल, शिवा समुद्रे तथा नंदिनी केदार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का 5 दिवसीय निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण शुरू

भोपाल। विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर निर्वाचन सदन मध्यप्रदेश ने तैयारियाँ शुरू कर दी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने आज 5 दिन तक चलने वाले राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया में प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण होता है। प्रशिक्षण के दौरान अपने सुझाव भी दें, जिससे ट्रेनिंग को और अधिक बेहतर बनाया जा सके। राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में थीम वाइस प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो 9 जून तक चलेगा। उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद शुक्ला ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को आयोग द्वारा 19 जून से 15 जुलाई के मध्य 2 दिवसीय प्रशिक्षण इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट दिल्ली में दिया जाएगा। इसके बाद 16 जुलाई से 31 जुलाई के मध्य राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को पुन: 2 दिवसीय थीम वाइस प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद भारत निर्वाचन आयोग/इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट दिल्ली के विशेषज्ञों की उपस्थिति में उनका मूल्यांकन होगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर और विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही इनके द्वारा पीठासीन अधिकारी एवं पोलिंग अधिकारी को दिए जाने वाले प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण भी जिला एवं तहसील स्तर पर किया जाएगा।

हरित क्रांति दिवस के रूप मे मनाया विश्वपर्यावरण दिवस

भोपाल। बिटोआ कार्यकारिणी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस सोमवार को बिटोआ गवर्निंग द्वारा हरित क्रांति दिवस के रूप मे मनाया गया। जिसमें उपस्थित सदस्यों को 150 औषधीय पौधों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी विशेष अथिति के रूप में सम्मिलित रहें। सूर्यवंशी ने सभी सम्मिलित सदस्यों के साथ वृक्षारोपण कर, स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। इस कार्यक्रम में बिटोआ कार्यकारिणी द्वारा आमंत्रित सदस्यों हेतु स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामाजिक सेल के पदाधिकारी महेंद्र चांडक, अनिल सोनी,प्रदीप शर्मा,भुवनेश वैध,रेवंत सक्सेना,संजीव मिश्रा,अजय मीणा आदि द्वारा इस कार्यक्रम को पूर्ण कराया गया ।

शिक्षा के क्षेत्र में पर्यावरण का ज्ञान मानवीय सुरक्षा के लिए आवश्यक: महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक योग केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है वर्तमान में भी ऑनलाइन माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है । योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर पर्यावरण के बारे में भी जागरूक किया जाता है,

योग गुरु अग्रवाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कहा कि भारत में सुख, समृद्धि, शक्ति और स्वास्थ्य के साथ अच्छा पर्यावरण के लिए हर व्यक्ति को योगाभ्यास करना चाहिए। जैसा मन वैसा पर्यावरण, भारत के सर्वाधिक हरे भरे क्षेत्र आज सबसे ज्यादा अशांत नजर आते इससे सिद्ध होता है कि यदि हम बाहरी पर्यावरण का सुख लेना चाहते हैं तो सर्वप्रथम हमें अपने अंतर्मन के पर्यावरण को शुद्ध करना पड़ेगा 7 मन को स्वच्छ बनाने के साथ साथ पृथ्वी को हरा भरा बनायेंगे तभी सच्ची सुख शांति पायेंगे, इसके लिए योग विद्या भारत वर्ष की सबसे प्राचीन संस्कृति और जीवन - पद्धति है तथा इसी विद्या के बल पर भारत वासी प्राचीन काल में सुखी, समृद्ध और स्वस्थ जीवन बिताते थे 7 हमारे ऋषि, आचार्यों ने विभिन्न प्रकार के आसनों के नाम वर्षो पहले इस प्रकार से रखे ताकि हमारा जुड़ाव प्रकृति से बना रहें एवं पर्यावरण को बिना नुकसान करें,प्रकृति के गुणों को भी आत्मसात् कर सकें।

लोगों को हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरित करने, पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने और सचेत करने के उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। हर साल इस दिन को मनाने के लिए एक थीम रखी जाती है, जिसके आधार पर ही इस दिन को मनाया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2021 की थीम इकोसिस्टम रेस्टोरेशन यानी कि पारिस्थितिकी तंत्र बहाली है. इकोसिस्टम रेस्टोरेशन के तहत पेड़ लगाकर या पर्यावरण की रक्षा कर प्रदूषण के बढ़ते स्तर को कम करना और इकोसिस्टम पर बढ़ते दबाव को कम करना है. 5 जून 1974 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दों से मिल कर हुआ है।

एम्स में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया, 150 पौधे लगाए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस एम्स में मनाया गया। इस मौके पर अस्पताल परिसर में 150 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह, एम्स के फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने भाग लिया।

पर्यावरण प्रकोष्ठ, बागवानी समिति, एम्स भोपाल के रेजिडेंट डॉक्टर्स वेलफेयर काउंसिल और उजियारा फाउंडेशन भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय उत्सव के तहत यह पहला दिन था।

इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन है। बीजों के साथ पेपर पेन संकाय और छात्रों, कर्मचारियों और आगंतुकों के बीच वितरित किए गए। प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करने के लिए एम्स भोपाल में फार्मेसी की दुकानों को पेपर पाउच दिए गए। आईपीडी क्षेत्र में उजियारा फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण सुधार के प्रति जागरूकता भी पैदा की गई।

6-7 जून को एम्स के छात्रावासों में सफाई अभियान और सीड बॉल बनाने की कार्यशाला की योजना है।

कैंसर रोगियों के लिए समर्पित योग सत्र के साथ मना पर्यावरण दिवस: एम्स में आयुष विभाग ने 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह की शुरुआत कैंसर रोगियों के लिए विशेष योग सत्र के साथ की, जो सुबह 9 से 10 बजे ऑन्कोलॉजी ओपीडी प्रतीक्षालय में संचालित किया गया। सत्र का उद्देश्य कैंसर रोगियों के बीच शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने में योग के चिकित्सीय लाभों को उजागर करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह की उपस्थिति से हुई, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में, प्रो. डॉ. अजय सिंह ने पारंपरिक उपचारों के साथ-साथ रिकवरी प्रक्रिया को तेज करने में योग चिकित्सा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने न केवल कैंसर रोगियों बल्कि उनके परिवार के सदस्यों से भी योग के अभ्यास को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कैंसर रोगियों के लिए नियमित योग सत्रों को प्रोत्साहित किया और इसके सकारात्मक प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाने के महत्व पर बल दिया।

कैंसर विशेषज्ञ डॉ. मनीष गुप्ता ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी व्यक्तियों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि वे अपने परिवार और दोस्तों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें।

योग सत्र में लगभग 35 कैंसर रोगियों तथा उनकी देखभाल करने वालों ने भाग लिया। सत्र का संचालन चिकित्सा अधिकारी योग डॉ. मुद्रा सोफिया व योग प्रशिक्षक डॉ. श्वेता मिश्रा ने किया। उन्होंने विभिन्न अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया, जिसमें श्वास अभ्यास, प्राणायाम तकनीक, विश्राम अभ्यास और ध्यान शामिल हैं।

सत्र के बाद प्रतिभागियों को रागी इडली वाला एक विशेष नाश्ता परोसा गया। इस पहल का उद्देश्य अपने दैनिक आहार में मोटे अनाज को शामिल कर एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना है।

एम्स भोपाल में 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 समारोह का यह आयोजन कैंसर रोगियों के कल्याण को बढ़ाने में योग की विशेष भूमिका के रूप में कार्य करता है। एम्स का आयुष विभाग जागरूकता पैदा करने और रोगियों और उनके परिवारों के जीवन में योग के एकीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से ऐसे आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ सर्वोच्च फैलोशिप से सम्मानित

एम्स में फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग में अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ को शिलांग में इंडियन एकेडमी ऑफ मेडिकोलेगल एक्सपर्ट्स के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। शिलांग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठित फैलोशिप मान्यता की घोषणा की गई थी।

आईएएमएलई, एसोसिएशन ऑफ मेडिकोलेगल एंड फोरेंसिक एक्सपर्ट्स के वैज्ञानिक संघ में भारत भर की विभिन्न संबद्ध शाखाओं के सम्मानित पेशेवर और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भी शामिल हैं। यह पुरस्कार क्लिनिकल फॉरेंसिक मेडिसिन के क्षेत्र में डॉ. विदुआ के असाधारण योगदान को स्वीकार करता है। NEIGRIHMS के निदेशक डॉ. नलिन मेहता, IAMLE के मानद अध्यक्ष डॉ. आदर्श कुमार और IAMLECON-23 के आयोजन सचिव डॉ. एजे पटवारी ने डॉ. विदुआ को प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करते हुए क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान की सराहना की।

संपादकीय

सवाल सुरक्षित रेल यात्रा का है

बालासोर में शुक्रवार शाम हुई रेल दुर्घटना ने पूरे देश को सकते में डाल दिया है। देश के इतिहास के सबसे भीषण रेल हादसों में शामिल की जा रही इस घटना में तीन ट्रेनें एक-दूसरे से टकराई हैं। पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस गलत ट्रैक पर आकर वहां खड़ी मालगाड़ी से टकराई, जिससे उसके कई डब्बे पटरी से उतर कर दूसरी ट्रैक पर चले गए। वहां दूसरी तरफ से आ रही बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस इन डब्बों पर चढ़ गई। हताहतों की बड़ी संख्या के अलावा दुर्घटना की इस प्रकृति ने भी आम जनमानस को झकझोर कर रख दिया है।

भारतीय रेलवे रोज औसतन सवा करोड़ से ज्यादा लोगों को मंजिल तक पहुंचाती है। ऐसे में इस तरह की दुर्घटना उनके मन में रेलवे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल पैदा कर रही है। हालांकि फिलहाल सरकार का पूरा ध्यान राहत कार्य और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के इलाज पर है, जो ठीक भी है। लेकिन यही वह समय भी है, जब भविष्य के लिए ठोस योजना भी बनाई जाए। क्योंकि दुर्घटना का अधिक समय बीत जाता है तो कारण और तथ्य भी फाइलों में कैद होजाते हैं और पूरी मशीनरी सामान्य कार्यों में व्यस्त हो जाती है।

इस संदर्भ में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की प्रतिक्रिया खास तौर पर ध्यान देने लायक है, जिसने इस दुर्घटना से जुड़े असुविधाजनक सवालों को यह कहकर स्थगित रखा है कि फिलहाल सर्वोच्च प्राथमिकता राहत और बचाव कार्यों को दिया जाना चाहिए। यह बात भी सही है कि नीतिगत और व्यवस्थागत खामियों की ओर ध्यान दिलाने का भी यही वक्त होता है, जब आम लोग उन सवालों के जवाब जानना चाहते हैं, जिन्हें सामान्य दिनों में विशेषज्ञों के सोचने-समझने वाले तकनीकी विषय मानकर छोड़ दिया जाता है। इस लिहाज से देखा जाए तो हाल के दिनों में पब्लिक परसेप्शन यह बना है कि सरकार स्पीड बढ़ाने और नई-नई ट्रेनें शुरू करने पर जितना ध्यान दे रही है, उतना कमजोर और पुराने पड़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर नहीं दिया जा रहा।

हालांकि रेल विभाग आंकड़ों के माध्यम से इस धारणा का खंडन करता है। उसके मुताबिक 2017-18 में एक लाख करोड़ रुपये का पंचवर्षीय सुरक्षा कोष बनाया गया था, जिसे 2022-23 में 45000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रकम के साथ एक्टसटेंड कर दिया गया। उसका यह भी कहना है कि रेल यात्रा की सुरक्षा के पहलू पर लगातार काम करते रहने के ही कारण इस मोर्चे पर स्थिति में सुधार देखा जा रहा है। 2013-14 में प्रति दस लाख किलोमीटर पर 0.10 दुर्घटना की औसत संख्या 2022-23 तक और कम होकर 0.03 पर आ गई थी।

फिर भी शुक्रवार की दुर्घटना का सबक यह है कि ऐसे एकाध हादसे भी रेल यात्रा की सुरक्षा को लेकर आम लोगों के मन में वैसी आशंका पैदा कर सकते हैं, जो ऐसे दर्जनों आंकड़ों से दूर नहीं की जा सकती। इसलिए इस दुर्घटना के कारणों की तह तक जाकर उन्हें दूर करने के कारगर उपाय भी लोगों की नजर में लाए जाने चाहिए। और यह भी, कि पहले मौजूदा व्यवस्थाओं को और दुरुस्त किया जाए, फिर नई योजनाएं लाई जाएं।

बीजेपी में एक नहीं 3-3 प्रभारी, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात

एमपी अजब है, सबसे गजब है- इस पंच लाइन का प्रदेश के टूरिज्म को फायदा हुआ या नहीं ये तो पता नहीं। पर, इतना जरूर है कि इस पंच लाइन को प्रदेश बीजेपी ने कुछ ज्यादा ही सीरियसली ले लिया है। क्योंकि, इस बार जो बीजेपी में हो रहा वो अजब गजब ही है। हर बार बीजेपी का काम एक ही प्रभारी से चल जाता था। इस बार तो त्रिदेव प्रदेश के हाल पर नजर रख रहे हैं। उसके बावजूद कार्यकर्ताओं का हाल यूं है कि बस खाली कमरे में शिकायतें सुना रहे हैं और लौट आते हैं। कहने को एक के बाद एक सर्वे भी हुए हैं, लेकिन हर सर्वे के बाद लगता है बीजेपी बंधने की बजाए टुकड़ों में टूटती जा रही है।

कुछ ही दिन पहले एक घटनाक्रम हुआ। जिसने पूरी बीजेपी को हिलाकर रख दिया। एक ही जिले के दो मंत्री और दो विधायक तीसरे मंत्री की शिकायत के साथ मंत्रालय से लेकर समिधा तक भटके। वैसे तो इस घटनाक्रम के बाद लीपापोती बहुत हुई। पर बीजेपी में पनप रही गुटबाजी और तालमेल की कमी खुलकर सतह पर आ गई। ये हालात उस पार्टी के लिए बिलकुल नागवार है जहां गुटबाजी पर चर्चा करना तो दूर गुटबाजी का जिक्र करना भी गुनाह है। उस पार्टी में सीनियर मंत्री को शिकायत लेकर भटकना पड़ा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जमीनी स्तर पर बीजेपी अब किस दौर से गुजर रही है। इन घटनाक्रम की जानकारी आलाकमान के दरबार तक पहुंची और शिव प्रकाश ने नाराजगी भी जाहिर की। इस तरह के हालातों पर काबू रखने के लिए बीजेपी ने एक नहीं इस बार तीन-तीन प्रभारी तैनात किए हैं, लेकिन नतीजा वही है ढाक के तीन पात।

गुटबाजी की शिकार बीजेपी दो फाड़ नहीं चार टुकड़ों में बटीं

एक प्रभारी मुरलीधर राव, एक प्रभारी शिवप्रकाश और सबसे ऊपर अजय जामवाल। जामवाल खुद वो प्रभारी हैं जो जिले जिले घूमकर हालात का जायजा ले चुके हैं। उनकी रिपोर्टिंग सीधे अमित शाह और जेपी नड्डा जैसे नेताओं को होती है। जिसके बाद उम्मीद थी कि प्रदेश में हालात बदलने पर बीजेपी फोकस करेगी, लेकिन हुआ उल्टा। बीजेपी की बड़ी बैठक में जामवाल भी इन हालातों के बाद दिल में छुपा दर्द छिपा नहीं सके। गुटबाजी की शिकार बीजेपी दो फाड़ नहीं चार टुकड़ों में बंट चुकी हैं। उन्हें एक करने में तीन-तीन प्रभारी कोई कमाल नहीं दिखा सके। उस पर डिजिटाइजेशन का भूत भी सवार है। प्रभारियों की लाइव लोकेशन की ट्रेकिंग, उनकी बैठकों की फोटो, जनसंपर्क का अपडेट सब कुछ अपडेट हो रहा है, लेकिन पार्टी तालमेल और अनुशासन के मामले में लगातार डिग्रेड होती नजर आ रही है।

प्रदेश बीजेपी पर तीन-तीन प्रभारियों की नजर, फिर भी असंतोष

नरेंद्र मोदी, वैंकेया नायडू, अरूण जेटली, अनंत कुमार, विनय सहस्त्रबुद्धे- ये वो नाम है जिन्होंने मध्यप्रदेश की जिम्मेदारी अकेले ही संभाली और हालात मुट्ठी से बाहर नहीं होने दिए। अब एक नहीं तीन-तीन प्रभारी हैं। इन प्रभारियों में अजय जामवाल को छोड़ दें तो मुरलीधर राव और शिवप्रकाश काफी हद तक सत्ता में मिलने वाली सुविधाओं का लाभ भी उठा रहे हैं, लेकिन हालात बेकाबू हुए जा रहे हैं। ये प्रभारी आलाकमान के लिए सीसीटीवी का काम करते हैं और ब्लूटूथ हेड फोन का भी। आसान भाषा में ये मान लें कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ता से लेकर आलाकमान तक एक ब्रिज का काम करते हैं ये प्रभारी। तो, इस बार त्रिदेव, दो सेट त्रिनेत्र के साथ प्रदेश पर नजर बनाए हुए हैं। फिर भी पार्टी के भीतर असंतोष का ऐसा तूफान उठा, जिसका कोई पूर्वानुमान भी नहीं लग सका। ये तूफान इस बात का गवाह है नाराज बीजेपी, शिवराज बीजेपी, महाराज बीजेपी और अब पनप रही वीडी बीजेपी को एक करने में तीन-तीन महारथी फेल हो रहे हैं।

जामवाल की रिपोर्ट पर भी अब तक कोई एक्शन नहीं हुआ

प्रभारियों की गिनती इतने पर ही खत्म नहीं हो रही। तीन प्रभारियों के बाद जिला प्रभारी, हारी हुई सीटों पर आकांक्षी सीट प्रभारी, हर बूथ पर प्रभारी। इस तरह बीजेपी के पास प्रभारियों की लंबी लिस्ट है। इन प्रभारियों की ट्रैकिंग के लिए हाई टैक सिस्टम भी है। हर प्रभारी को अपनी रिपोर्ट पार्टी की एप पर अपलोड करनी होती है। कौन सा प्रभारी कहां है क्या कर रहा है। जो किया है उसकी सेल्फी अपलोड करना। इस लंबी चौड़ी कवायद के बावजूद आलाकमान किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचा। पहुंचा भी हो तो उसका कोई असर प्रदेश में नजर नहीं आ रहा। सुनने में ये भी आया कि जामवाल भी अपनी रिपोर्ट सब्मिट कर चुके हैं पर उस पर भी कोई एक्शन अब तक नहीं हुआ। आलाकमान की इस चुनावी उदासीनता ने कार्यकर्ताओं को भी निराश करना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस को उम्मीद नहीं वहां भी बीजेपी की गुटबाजी से मिल सकती है सीट

बीजेपी के बिखरे हुए हालात गुटबाजी के आरोप झेलती आ रही कांग्रेस के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। मुमकिन है कि कांग्रेस को जहां जीत की उम्मीद नहीं भी है, गुटबाजी के चलते बीजेपी खुद वो सीट कांग्रेस की झोली में डाल दें। वैसे भी कांग्रेस अपनी ताकत से ज्यादा बीजेपी की कमजोरियों का फायदा उठाने के मूड में ज्यादा नजर आ रही है। बीजेपी के लिए इस बार चुनावी जीत हासिल करना आसान नहीं होगा। हालात यही रहे तो नतीजे उम्मीद से परे भी रह सकते हैं।

बीजेपी संगठन का हाल चौबे जी जैसा जो छब्बे बनने चले और दुबे बनकर लौटे

प्रदेश में इस बार मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के अलावा नाराज बीजेपी वर्सेज महाराज बीजेपी वर्सेज शिवराज बीजेपी के बीच ज्यादा नजर आ रहा है। जो खुद को बेस्ट साबित करने के लिए अपनी ही पार्टी के दूसरे धड़े को मात देने पर अमादा है। इधर संगठन का हाल चौबे जी जैसा है जो छब्बे बनने चले और दुबे बनकर लौटे। ऐप और सोशल मीडिया की वर्चुअल दुनिया में धमक बनाए रखने के चक्कर में असल हालात से पार्टी बेखबर हो रही है। इन ऐप्स पर किसकी नजर है इसका भी अता पता नहीं है। ये हालात क्या इशारा करते हैं समझना आसान है।

समाजों को साधने में लगे शिवराज

-अरुण पटेल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इन दिनों प्रदेश में चुनावी मौसम की आहट होने लगी है इसलिए विभिन्न समाजों और वर्गों को रिझाने का कोई अवसर हाथ से नहीं जाने दे रहे हैं। जिस ढंग से विभिन्न समाजों के महापुरुषों की जयंती आदि पर अवकाश की घोषणा शिवराज कर रहे हैं उसको देखते हुए अब देखने वाली बात यही होगी कि छुट्टियों के क्षीरसागर में लिटायमान मध्यप्रदेश को और कितने दिन और नये अवकाश के कारण अवकाश-सुख लेने का अवसर मिलेगा। वैसे ही पांच दिन का सप्ताह किया जा चुका है इसलिए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर कितने कामकाजी दिन दफ्तरों में होंगे।

रविवार 4 जून का दिन विभिन्न समाजों के द्वारा अपनी ताकत दिखाने और राजनीतिक दलों से अधिक से अधिक मोलभाव करने का रहा। शिवराज ने ऐलान कर दिया कि प्रदेश में अब परशुराम जयंती पर सरकारी अवकाश रहेगा। जिन मंदिरों के पास कृषि भूमि नहीं है वहां पुजारियों को पांच हजार रुपये मानदेय मिलेगा। मंदिरों की जमीन को नीलाम करने का हक भी पुजारी को रहेगा। संस्कृत विद्यालय के पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थी को 8000 रुपये, छठवीं से आठवीं तक के विद्यार्थी को 10 हजार रुपये प्रदान किये जायेंगे। घोषणाओं की यह मूसलाधार झड़ी शिवराज ने ब्राह्मण

महाकुंभ में लगा डाली। शिवराज ने कहा कि मध्यप्रदेश में लव तो चल सकता है लेकिन जिहाद किसी कीमत पर नहीं चलने दिया जायेगा। ब्राह्मण आयोग गठित करने की मांग पर उन्होंने आश्वासन दिया कि इस पर विचार करके फैसला किया जायेगा। ब्राह्मण समाज के लोगों को टिकट देने की मांग पर उन्होंने कहा कि पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलेगा। ब्राह्मण महाकुंभ हो और उसी समाज के भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हों तो फिर वह कहां पीछे रहने वाले थे। सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मांग की कि पांच एकड़ में ब्राह्मण समाज के गरीब बेटे-बेटियों के लिए संस्थान बनाकर बच्चों को प्रशिक्षित किया जाये तथा यह संस्थान में भोपाल में बने। शर्मा ने कहा कि ऐसे कई सेवानिवृत्त आईएएस व आईपीएस अफसर हैं जो यह कार्य करने को तैयार हैं।

इसी दिन आयोजित अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा और अखिल भारतीय धाकड़ महासभा के महासंगम 2023 में शिवराज का कहना था कि यदि हम ठान लें तो बड़े से बड़ा काम हर कोई करके दिखा सकता है। संकल्प लें कि हम गरीब नहीं रहेंगे और गरीबी को पूरी तरह से हटायेंगे। शिक्षा, नशामुक्त समाज, उद्योग और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। पर्यावरण की रक्षा और बेटियों का सम्मान करेंगे तथा ऐसे संकल्प लें कि दिल्ली तक आवाज जाये। शिवराज का कहना था कि किरार-धाकड़ समाज का हल और बंदूक से नजदीक का रिश्ता है। हम अत्याचार व अन्याय के विरुद्ध होने के साथ ही अन्न के भंडार भरने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि शिवराज सिंह चौहान किरार महासभा के संरक्षक भी हैं और उनकी धर्मपत्नी साधना सिंह किरार महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। साधना सिंह ने अपनी समाज से आग्रह किया कि आज के समय में मनचाहे जीवनसाथी की परिभाषा बदल गई है, बेटा-बेटी नाम कमा रहे हैं, इसलिए उनके कैरियर का ध्यान रखें। कलचुरी समाज के महा सम्मेलन में शामिल हुए शिवराज ने कहा कि मेरे निर्माण में कलचुरी समाज का बड़ा योगदान रहा है। समाज से राष्ट्र बनता है, अलग-अलग समाजों की प्रगति होगी तो राष्ट्र की भी प्रगति होगी। समाज के उत्थान के लिए सरकार पूरा-पूरा सहयोग करेगी। समाज की मांगों का उल्लेख करते हुए शिवराज ने कहा कि कलार बोर्ड के गठन को लेकर जो मांग की गयी है उसका स्वरुप कैसा होगा इस पर चर्चा करने की जरुरत है। बोर्ड का प्रस्ताव हम तय कर सकते हैं। इस प्रकार विभिन्न समाजों का प्रयास यही है कि चुनावी सीजन में जितना अधिक से अधिक सरकार से प्राप्त किया जा सके वह कर लिया जाए।

किसी समय मध्यप्रदेश में बहुजन समाज पार्टी का पर्याय रहे फूलसिंह बरैया इन दिनों कांग्रेस पार्टी में हैं और उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता व किसान सम्मेलन में सुसनेर में कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा मध्यप्रदेश में 50 सीटों का आंकड़ा भी नहीं छू पायेगी। अगर भाजपा 50 सीटें लायी तो राजभवन के सामने अपने हाथों अपना मुंह काला कर लूंगा। उनका दावा है कि भाजपा को दलित, मुस्लिम और पिछड़ों का वोट नहीं मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधते हुए बरैया ने कहा कि कांग्रेस को डुबोने के लिए वह भाजपा में गये लेकिन वहां जाकर वे स्वयं डूब गये। आने वाले समय में जब प्रदेश में कांग्रेस का झंडा लहरायेगा तब सिंधिया कहां जायेंगे। चुनावी मौसम में बयानवीर नेताओं के ऐसे बयान अक्सर सुर्खियां बनते रहेंगे, भले ही चुनाव में उनका कोई विशेष प्रभाव देखने को न मिले।

क्या रेपो रेट यथावत रहेगा ?

-राकेश दुबे

खबर है देश के वित्तीय कारोबार में रीपो दर यथावत रहेगी और इसका व्यापक प्रभाव होगा । एक सर्वेक्षण में सभी 10 प्रतिभागियों की यही राय है । वैसे भारतीय रिज़र्व बैंक 8 जून को नीतिगत दर पर निर्णय की घोषणा करेगा ।मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच आरबीआई ने रीपो दर 250 आधार अंक बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दी थी मगर इस अप्रैल की मौद्रिक समीक्षा में दर बढ़ोतरी पर विराम लगाने का निर्णय किया गया था।आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने जोर देते हुए कहा कि दर में बढ़ोतरी पर विराम लगा है और इसे रोक नहीं समझना चाहिए। ऐसे में आगे मौद्रिक नीति और सख्त बनाई जा सकती है।

मौद्रिक नीति पर निर्णय के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति प्रमुख पैमाना होती है, जो अप्रैल में 18 महीने के निचले स्तर 4.7 प्रतिशत पर रही है। मार्च में यह 5.7 प्रतिशत थी। खुदरा मुद्रास्फीति आरबीआई के लक्ष्य 2 से 6 प्रतिशत के दायरे में ही रही।

क्रिसिल की भी टिप्पणी है, 'भारत में दर बढ़ोतरी का चक्र अब पूरा हो चुका है और मुद्रास्फीति चरम पर पहुंच चुकी है।'एक संस्थान द्वारा कराए गये सर्वेक्षण में शामिल 10 में से 6 प्रतिभागियों ने कहा कि मुद्रास्फीति में नरमी से केंद्रीय बैंक चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को 5.2 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर सकता है।

एक इकनॉमिक्स विशेषज्ञ का कहना है कि 'हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान मौजूदा 5.2 प्रतिशत के औसत से कम कर 5 प्रतिशत किया जा सकता है।' मगर मॉनूसन के प्रति चिंता देखते हुए आरबीआई मुद्रास्फीति के अनुमान को बरकरार रख सकता है।

वित्तीय संस्थान 'इक्रा' को भी उम्मीद है कि मई-जून में खुदरा मुद्रास्फीति और कम होकर 4.5 से 4.7 प्रतिशत रह सकती है और वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में इसके 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो मौद्रिक नीति समिति के अनुमान (5.1प्रतिशत) से कम है। मुद्रास्फीति में नरमी का रुख देखते हुए मौद्रिक नीति समिति चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अपने अनुमान में कटौती कर सकती है लेकिन मॉनसून को फिक्र उसे ऐसा करने से रोक सकती है।'

दूसरी ओर जनवरी-मार्च तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर उम्मीद से बेहतर 6.1 प्रतिशत रही और पूरे वित्त वर्ष में यह 7.2 प्रतिशत दर्ज की गई। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है ।एसबीआई ने भी चौथी तिमाही के आंकड़े आने के बाद जीडीपी वृद्धि का अपना अनुमान बढ़ा दिया है।

एक रिपोर्ट में एस बी आई कहा है, 'हम चालू वित्त वर्ष में वृद्धि की गति जोर पकड़ने पर ध्यान दे रहे हैं। हम अपने बेसलाइन अनुमान को 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर रहे हैं। बैंक के अनुमान के मुताबिक वित्त वर्ष 2024 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत और पहली तिमाही में 7.8फीप्रतिशत रह सकती है। यह अनुमान संतुलित जोखिम के आधार पर लगाया गया है।'जहां तक आरबीआई के मौद्रिक रुख की बात है तो सभी प्रतिभागियों ने कहा कि केंदीय बैंक राहत वापस लेना जारी रख सकता है।

एक अन्य अर्थशास्त्री गौरा सेन गुप्ता ने कहा, 'हमें लगता है कि आरबीआई राहत और नरमी वापस लेने का रुख बनाए रखेगा।' उन्होंने कहा कि रुख को तटस्थ रखने से गलत संदेश जाएगा कि आरबीआई का ध्यान अब मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने से हट गया है।

इस्तीफा मांगना और उसे न देना नई राजनीतिक नैतिकता...!

अजय बोकिल

आजादी के अमृत वर्ष में भारतीय राजनीतिक नैतिकता का लुब्बो लुआब यह है कि अब देश में लापरवाही और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ताधीशों से इस्तीफा मांगना और उसे किसी कीमत पर न देना एक सर्वमान्य रिवाज बन चुका है। वैसे लापरवाही और भ्रष्टाचार सगे सम्बन्धी भले न हो, लेकिन दोनो में चचेरा रिश्ता तो है ही। दोनो एक दूसरे के पूरक हैं। फर्क इतना है कि भ्रष्टाचार का सियासी डीजे कानफोडू ढंग से बजता है तो लापरवाही की पुंगी जांच, निलंबन आदि की नक्कारखाने में दब कर रह जाती है। ताजा दो मामले इसी नई नैतिकता के बुरे उदाहरण हैं। ओडिशा के बालासोर जिले के पालनपुर स्टेशन पर सुरक्षा के तमाम दावों के बावजूद तीने ट्रेंने किसी वीडियो गेम की माफिक भयानक ढंग से टकरा गई और करीब पौने तीन सौ बेकसूर यात्रियों की जानें गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही चली गईं। लगभग एक हजार घायलों का इलाज अस्पतालों में चल रहा है। इस देश में ट्रेनें पटरी से उतरती रही हैं, यदा कदा दो ट्रेनों की टक्कर भी हुई है, लेकिन तीन ट्रेने आपस में भिड़ जाएं, यह देख पूरी दुनिया हैरान है। इस हादसे के बाद भी जैसा? कि होता है कि मंत्रियों-अफसरों के दौरे हुए। मुआवजा वगैरह घोषित हुआ। अलबत्ता एक अलग बात यह हुई कि पहली बार किसी ऐसे हादसे में कोई प्रधानमंत्री सांत्वना देने पहुंचा। पीएम मोदी घटनास्थ पर पहुंचे और उन्होंने कहा कि इस भयंकर हादसे के लिए दोषी किसी को नहीं बख्शा जाएगा। इस हादसे में भी मरने वाले अधिकांश लोग गरीब थे, जो रोजी रोटी के लिए अपने घर से दूर किसी दूसरे शहर या गांव के लिए निकले थे। उधर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने पहले कहा कि हादसे के पीछे तकनीकी खामी है। बाद में उनको लगा कि इसके पीछे कोई साजिश हो सकती है, लिहाजा मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। यानी रेलवे को अभी भी यह समझ नहीं आ रहा है कि यह मुआ हादसा हुआ क्योंकर? प्रधानमंत्री की परेशानी भी समझी जा सकती है, जब वो लगातार 'वंदे भारत' ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर आधुनिक रेलवे की नई रंगत का अहसास करवा रहे हैं, तब रेलवे ने हादसों का अपना पुराना इतिहास क्यों दोहराया? वह भी इतना भीषण?

इसी के समांतर मामला बिहार का है, जहां भागलपुर जिले में गंगा नदी पर आठ सालों से बन रहा पुल दूसरी बार ढह गया। मुख्य मंत्री नीतीश कुमार ने आला अफसरों को जांच के आदेश दिए। राजद नेता और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अजीब तर्क दिया कि पुल का कुछ हिस्सा पहले ही गिरा था, सो हमने पूरा ढहा दिया ताकि नया बनाया जा सके। इस पुल के ढहने से 1717 करोड़ रू. भी पानी में बह गए। नीतीश ने अफसरों से पूछा कि यह पुल अब तक क्यों नहीं बना। बन जाना चाहिए था। यानी मैं तब भी सीएम था, अब भी हूं। अब उन्हें यह कौन समझाए कि बार बार गिरने वाला पुल पूरा कैसे बन सकता है। वैसे भी नीतीश इन दिनो विपक्ष को एकजुट करने में लगे हैं, ऐसी छोटी बातों के लिए उनके पास वक्त कहां? लेकिन दूसरी तरफ बालासोर रेल हादसे में रेल मंत्री से इस्तीफा जरूर मांगा।

ऐसा नहीं है कि इस देश में पहले रेल हादसे नहीं हुए। एक दलील तो अंग्रेजों के जमाने की रेल दुर्घटना की भी दी गई, जिसमें आठ सौ से ज्यादा लोग रेल हादसे में नदी में डूब कर मर गए थे। मौका देखकर सोशल मीडिया में बालासोर हादसे को साम्प्रदायिक तड़का देने की कोशिश भी हुई, जिसका ओडीशा पुलिस ने दृढ़ता से खंडन किया। वैसे भी गंगा जैसी विशाल और पवित्र नदी पर तथा उसमें भी बिहार पुल बनाना चुनौती भरा रहा है। क्योंकि गंगा का पात्र बहुत बड़ा और धार तेज होती है। बिहार में गंगा नदी पर करीब आधा दर्जन बड़े पुल हैं। अगुवानी से सुल्तानगंज तक इस पुल का निर्माण 2014 से चल रहा था। पिछले साल भी तेज हवा और आंधी से इस पुल का एक हिस्सा ढह गया था। यानी यह पुल दूसरी बार गिरा है। मजे की बात यह है कि नीतीश सरकार अब यह कह रही है चूंकि इस पुल की डिजाइन ही गलत थी और इसके निर्माण में गड़बड़ी थी, इसलिए वह गिरा नहीं, गिराया जा रहा है। यह बात तो कोई अनाड़ी भी समझेगा कि यदि किसी पुल या इमारत को गिराया जाता है तो उसकी सूचना आम लोगों को पहले से दी जाती है। गंगा पर बना यह पुल जिस तरह वीडियो में ध्वस्त होता हुआ दिख रहा है, उसके पीछे केवल भ्रष्टाचार का डाइनामाइट ही है। इसे समझने के लिए किसी यांत्रिक ज्ञान की गरज नहीं है।

अब बात राजनीतिक नैतिकता की। बालासोर रेल हादसे के बाद अपेक्षानुरूप विपक्ष ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफा मांगा। नैतिकता के पुराने हवाले दिए गए (यह बात अलग है कि किसी भी रेल मंत्री के इस्तीफे से रेल व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार हुआ, याद नहीं पड़ता)। रेल नेटवर्क के विस्तार के उलट रेल सुविधाओं और रियायतों में और कमी हो गई। अत्यधिक दबाव के बीच रेल का आंतरिक तंत्र भी कमजोर होता गया है। कांग्रेस अध्यिक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का तो आरोप है कि मोदी सरकार में रेल मंत्रालय का महत्व घटाने की वजह से ऐसा हो रहा है। वैसे विपक्ष के आरोपों का तोड़ मोदी सरकार ने इसका तोड़ वंदे भारत ट्रेन के रूप में पेश किया, लेकिन बालासोर हादसे ने फिर रेलवे और सरकार को आत्मावलोकन पर विवश कर दिया है। पहले रेल मंत्री ने दावा? किया था कि हादसे के असली कारण की पहचान कर ली गई है। दुर्घटना प्वाइंट मशीन और इंटरलॉकिंग इंटरफीयरेंस के कारण हुई। लेकिन दूसरे ही दिन उन्होंने मामले की सीबीआई जांच की जरूरत बताई। सरकार को शक है कि तकनीकी गड़बड़ी के पीछे कोई साजिश भी हो सकती है। एक कारण साफ है कि रेल ट्राफिक नियंत्रण व्यवस्था में भारी ढिलाई और लापरवाही है। इस बदहवासी के बीच ताजा खबर यह है कि ओडिशा में एक और मालगाड़ी पटरी से उतर गई है।

उधर बिहार में नीतीश कुमार ने बालासोर रेलवे हादसे पर तो रेल मंत्री का इस्तीफा मांग लिया, लेकिन अपने ही राज्य 1717 करोड़ का पुल और वो भी दूसरी बार ढहने पर भाजपा द्वारा उनसे इस्तीफा मांगने की बात को टाल गए। नीतीश की गठबंधन सरकार में शामिल कांग्रेस के एक नेता धर्मेन्द्र कुमार ने भी पुल ढहने की जांच सीबीआई से कराने की मांग कर दी। कुल मिलाकर तस्वीर यूं बनी है कि ओडीशा में रेल हादसा होने पर कांग्रेस और जदयू रेल मंत्री से इस्तीफा मांगते हैं और बिहार में पुल हादसा होने पर भाजपा नीतीश से इस्तीफा मांगने लगती है। लेकिन इनमें से कोई भी 'आत्मग्लानि' महसूस कर अथवा नैतिक आधार पर इस्तीफा देना तो दूर, ऐसा सोचने की गलती भी नहीं कर रहा। इससे भी टेढ़ा सवाल यह है कि अपराधों आर्थिक घोटालों की जांच करने वाली सीबीआई तकनीकी गड़बड़ी की जांच कैसे करेगी? क्या वह रेलवे के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को हिरासत में लेगी या ध्वस्त हो चुके गंगा पुल पर रेड डालेगी? अगर यह हादसा किसी आतंकी साजिश का हिस्सा है तो जांच एनआईए जैसी एजेंसियों को करनी चाहिए।

जमीनी हकीकत यह है कि हम कितने ही आधुनिक होने और प्रौद्योगिकी विकास की बातें करें, हमारी मूल मानसिकता वही है। हादसों की जांचें पहले भी होती आई हैं, लेकिन किसी मामले में बड़ी मछली तड़पती दिखी हो, ऐसा शायद ही हुआ है। ज्यादातर जांच रिपोर्टें तब आती हैं, जब तक नए हादसे की जमीन तैयार हो चुकी होती है। और जिम्मेदारी तय होने के नाम पर वो बेचारे छोटे मुलाजिम नपते हैं, जिन्होंने बड़ों के दबाव में भ्रष्टाचार को आजीविका की गारंटी माना हुआ होता है। बालासोर हादसे में भी किसी व्यक्ति की जिम्मेदारी तय होगी, इसकी संभावना कम ही है। यांत्रिक गड़बड़ी में लापरवाही का केस बनेगा। आपरेटर टाइप के लोग निपट जाएंगे और रेल गाड़ियां भी करप्शन की पटरी पर नई रिस्क के साथ दौड़ने लगेंगी। वही हाल गंगा पुल का भी होगा। गंगा मैया ने ही शायद भ्रष्टाचार के इस पुल को बनने नहीं दिया होगा। लेकिन उसकी भी एक सीमा है। इस देश मे भ्रष्टाचार अब महासागर की तरह हिलोरें ले रहा है। गंगा पर पुल हो या रेल की पटरियां सब की नियति वही है। ऐसे किसी से इस्तीफा मांग लेना महज एक राजनीतिक कर्मकांड है, जो साल में कई बार दोहराया जाता है, यह जानते हुए भी कि कहीं कोई इस्तीफा देने वाला नहीं है और कभी भूले भटके दे भी दिया तो उसकी भी बड़ी कीमत मांगेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

खण्डवा ।- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं पर अधिकारी कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली तथा आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु अनेक गतिविधियाँ आयोजित की। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद हरणे ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण के संबंध में संकल्प दिलाया। इसके बाद कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इसी क्रम में संजीवनी क्लीनिक गणेश तलाई में साईकिल रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

एनसीपीसीआर की बेंच 12 जून को छैगांवमाखन में

खण्डवा । राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग भारत सरकार का वैधानिक निकाय है जिसे सीपीसीआर अधिनियम 2007 के तहत गठित किया गया है। आयोग का मुख्य उद्देश्य देश के समस्त बालकों को उनके अधिकारों को सुरक्षित करने में सक्षम बनाना है जैसा कि भारत के संविधान में निहित है और विभिन्न अधिनियमों कानूनों के तहत प्रावधान किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री विष्णु प्रताप सिंह राठौर ने बताया कि आयोग की टीम एक शिकायत निवारण पीठ/शिविर का संचालन करने के लिये ब्लाक एवं जिले का दौरा कर रही है और बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन और वंचन से संबंधित मामलों के खिलाफ आप जनमानस से शिकायतें ले रही हैं। उन्होंने बताया कि बालक, माता-पिता, अभिभावक, देखभाल करने वाले या बाल अधिकारों के लिये काम करने वालों के लिये किसी भी अन्य व्यक्ति सहित कोई भी व्यक्ति एनसीपीसीआर की बेंच/कैम्प के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। खंडवा जिले में 12 जून को जनपद पंचायत परिसर छैगांवमाखन में एन.सी.पी.सी.आर. की बेंच/कैम्प का आयोजन किया जायेगा।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए योग वेदांत सेवा समिति सम्मानित हुई

बैतूल। पर्यावरण दिवस पर सोमवार को मां शारदा सहायता समिति व नेशनल रेल्वे मजदूर यूनियन बैतूल द्वारा महारानी लक्ष्मी बाई उद्यान रामनगर में कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें श्री योग वेदांत सेवा समिति बैतूल को पर्यावरण की सुरक्षा व स्वच्छता के क्षेत्र में किये गए भगीरथ प्रयास एवं समिति के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी के कर कमलों से प्रशस्ति पत्र व तुलसी पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि समितियां समाज हित में कार्य करें। समिति के जिलाध्यक्ष राजेश मदान ने बताया कि समिति द्वारा प्रतिवर्ष पर्यावरण संरक्षण हेतु सार्वजनिक स्थलों व आश्रमों में अनेक प्रजातियों के पौधों का रोपण तो किया ही जाता है साथ ही जिला स्तर पर 25 दिसम्बर को तुलसी पूजन दिवस आयोजित कर इसके महत्व व पौधारोपण प्रेरित भी किया जाता है। साथ ही समय समय पर जरूरतमंदों की अन्न, वस्त्र, कम्बल, बर्तन, फल व दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं वितरित कर निस्वार्थ भाव से सेवा की जाती है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष राजेश मदान व समिति के सदस्यों द्वारा वृक्षों को रक्षासूत्र बांधकर आरती भी की गई।

कांग्रेसियों पर दर्ज प्रकरण वापस लिया जाए: निलय डागा

बैतूल। विगत दिनो युवक कांग्रेस आमला द्वारा जनहित में बोरी-सारनी मार्ग के सुधार को लेकर किए गए आन्दोलन में कांग्रेस जनों पर प्रकरण दर्ज किया गया। इसके विरोध में जिला कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) हेमन्त वागद्रे एवं विधायक निलय डागा के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने जिला पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर दर्ज प्रकरण वापस करने की मांग की। इस मौके पर उन्होंने बताया कि विधिवत सूचना प्रशासन को तीन दिन पूर्व दे दी गयी थी एवं धरना स्थल पर नायब तहसीलदार द्वारा ज्ञापन लेने के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। गंभीर एवं जनहित के मुद्दे पर प्रशासन को पूर्व सूचना दे कर धरना देने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा धरनारत कांग्रेस जनों पर एफआईआर की गई। वही पूर्व में एबीवीपी व्दारा व्यक्तिगत कारण से राष्ट्रीय राजमार्ग को बिना किसी सूचना के जाम कर दिया गया था। उन पर आज तक कोई प्रकरण दर्ज नही किया गया। यह दो तरह की पुलिस प्रशासन की पक्षपात पूर्ण कार्यवाही स्पष्ट नजर आ रही है। ज्ञापन में जनहित के मुद्दे पर पूर्व सूचित कर किए गए धरना आन्दोलन में दर्ज किए गए प्रकरण को वापस लेने की मांग की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे, विधायक निलय डागा, जिला सेवादल अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, नेता प्रतिपक्ष राजकुमार दीवान, शहर अध्यक्ष मोनू बड़ोनिया, सुनील जेधे, धीरु शर्मा, नवल सिंह ठाकुर, राजेश गावण्डे, रमेश गायकवाड़, सोमेश त्रिवेदी, सरफराज खान, सरदार यादव, विशाल धुर्वे, आबू खान आदि कांग्रेसी उपस्थित थे।

पुनः मतगणना में पुनः सरपंच पद पर विजय प्राप्त की सुमत जैन ने

दमोह जनपद पंचायत दमोह अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत लकलका की पंचायत चुनाव की एसडीएम कोर्ट द्वारा पुनः मतगणना 5 जून को की गई जिसमें पंचायत चुनाव में सरपंच पद पर जीते सुमित जैन एक बार फिर पुनः मतगणना में 7 वोट से विजयी घोषित किए गए। सुमित जैन ने बताया कि पंचायती चुनाव मैं ग्राम पंचायत लकलका के सरपंच पद हेतु मैंने 7 वोट से विजय प्राप्त की थी तथा मैंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी जुगराज सिंह जोकि केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के निज सहायक राजकुमार सिंह के सगे भाई हैं को हराया था, जिस पर जुगराज सिंह ने एसडीएम कोर्ट में पुनः मतगणना के लिए पिटीशन दायर की थी जिस पर 29 मई 2023 को पुनः मतगणना का आदेश जारी हुआ था जिस पर आज 5 जून को कलेक्टरेट में तहसीलदार मोहित जैन, एसडीएम गगन गगन बिशेन एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में पुनः मतगणना की गई एवं एक बार फिर मैं 7 वोट से विजयी घोषित किया गया है। सुमत जैन के एक बार पुनः ग्राम पंचायत लकलका के सरपंच निर्वाचित होने पर समस्त ग्राम वासियों ने अपनी बधाइयां प्रेषित की।

यातायात का बढ़ता दबाव दुर्घटनाओं का कारण

नैनपुर मंडला मुख्य मार्ग पर आए दिनों यातायात का दबाव बढ़ते जा रहा है मार्ग में चल रहे बेपरवाह भारी ट्रक बस फोर व्हीलर टू व्हीलर तीव्र गति से चल रहे हैं जिससे निरंतर घटनाएं हो रही है स्थानीय प्रशासन का नियंत्रण नहीं हो रहा है दुर्घटनाओं का कारण मेन रोड पर दुकानों के सामने फोर व्हीलर टू व्हीलर खड़ी कर देते हैं जिससे मार्ग पर सड़क जाम हो जाती है समय-समय पर रेलवे गेट बंद हो जाने से जाम लग जाता है गेट खुलते ही बड़ी संख्या में वाहन की लंबी कतार रहती है स्थानीय प्रशासन के साथ ही नगर पालिका में निर्वाचित प्रतिनिधियों का भी दायित्व है कि यातायात व्यवस्था के लिए प्रयास करें।

राशन कार्ड नहीं बनने से लोग परेशान

नैनपुर। नगर पालिका द्वारा बनाए जाने वाले राशन कार्ड लंबे समय से नहीं बनाए जा रहे हैं जिसके पीछे नगर पालिका को फूड विभाग द्वारा नए राशन कार्ड नहीं दिया जा रहा है प्रिंट राशन कार्ड की उपलब्धता फूड विभाग द्वारा कराई जाती है जिसकी पूरी प्रक्रिया नगर पालिका द्वारा की जाती है परंतु पिछले 6 माह से नए राशन कार्ड नहीं बनाए जा रहे हैं नए राशन कार्ड के लिए खाद्य विभाग ने नगर पालिका को राशन कार्ड बनाने के लिए मना ही कर दी है वही नगर पालिका ने कार्ड बनाए जाने के पीछे फूड विभाग द्वारा कार्ड नहीं दिए जाने एवं रोक लगाए जाने संबंधी जानकारी दी है फूड विभाग द्वारा इस संबंध में नैनपुर नगर पालिका को जानकारी दिये हुए बताया कि पात्रता पर्ची बनाए जाने के लिए आदेश है परंतु

मध्यप्रदेश में पहली बार नर्मदा नदी पर होंगे 5 ब्रिज

इस शहर का यातायात होगा सुगम

सीहोर। मध्यप्रदेश में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। इससे पहले कई ओवर ब्रिज के अलावा कई सड़क मार्ग पुल निर्माण किए जा रहा है। इसी बीच अब बुधनी से नर्मदा पुरम को जोड़ने वाला एक और पुल का निर्माण कार्य जारी है। इस ब्रिज के लिए पिलर बनकर तैयार हो गए हैं। वहीं मशीन की मदद से गार्डर बेचने का काम किया जा रहा है। दो बड़ी क्रेन और अन्य मशीनों की मदद से गार्डर का काम पूरा किया गया। ऐसे में इस नदी से अब पांच पुल निकले हैं जिनमें तीन रेलवे और दो सड़क मार्ग के पुल हैं।

देखिए अभी तक कितना हुआ काम: दरअसल सेतु निर्माण विभाग के प्रभारी इंजीनियर नागेश दुबे ने जानकारी दी है। उनका कहना है कि सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा और नर्मदापुरम के बीच नर्मदा पर ब्रिज बनाया जा रहा है।18 पियर और दो एबेटमेंट अधिकतम ऊंचाई 18 मीटर तक खड़े करने का काम पूरा हुआ है। वहीं अभी 31 पियर व दो एंबेडमेंट और खड़े करेंगे। इसमें 5 मीटर की ऊंचाई तक लेबर कैंप डाले जाएंगे।

2023 अंत तक ब्रिज बनकर होगा तैयार: जानकारी के अनुसार 23 मीटर की ऊंचाई ब्रिज की हो जायेगी। वहीं इंजीनियरों की माने तो पांच पियर की नींव का काम खत्म हो गया है। इंजीनियरों की मानें तो बारिश से पहले इस ब्रिज का काम पूरा किया जाएगा। वहीं इस नए ब्रिज के दोनों साइड पर फुटपाथ भी होगा जिससे दोनों साइड से राहगीर आसानी से आ जा सकते हैं। नदी के बीच सीमेंट कंक्रीट के स्कूल की चौड़ाई 12 मीटर की रखी गई है। वहीं साल 2023 के अंत तक ये ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा। वहीं इस ब्रिज की दोनों तरफ 3775 मीटर लंबाई का एप्रोच सड़क बनाई जाएगी जो कि सीधे नर्मदा नदी के पुल से कनेक्ट रहेगी।

शिवम् गोलीकांड निकला फर्जी, फरियादी ने स्वयं रची थी साजिश

साजिश में परिजन एवं अन्य लोग शामिल, मामला दर्ज

नर्मदापुरम। जिला मुख्यालय के होमगार्ड आफिस के पास हुए गोलीकांड की घटना फर्जी निकली। दरअसल, फरियादी ने ही अपने विरोधियों को फंसाने के लिए यह साजिश रची थी और स्वयं कार के भीतर ही अपने हाथ में फायर कर लिया था। इस मामले में उसके परिजनों ने भी उसका सहयोग किया था।अब पुलिस फरियादी के खिलाफ भी साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज करेगी।

सोमवार को जिला मुख्यालय पर गोलीकांड मामले का खुलासा करते हुए एसपी डॉ. गुरुकरन सिंह ने बताया कि यह घटना कूटरचित थी। इसमें फरियादी शुभम तिवारी और उसका परिवार शामिल है। यह केवल अपने विरोधियों को फंसाने की साजिश थी। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि इस तरह की पटना चंबल क्षेत्र में अक्सर होती है पर फरियादी उसकी झूठी कहानी में हमेशा फंस जाते हैं। रविवार को हुए गोलीकांड घटनास्थल को देखने के बाद मूझे संदेह हुआ था। जिसमें एसडीओपी पराग सैनी, शहर कोतवाली टीआई विक्रम रजक , साइबर व उनकी टीम गोलीकांड की तह में जाने में जुटे रहे।

पुलिस ने जांच में तकनीकि साक्ष्य एकत्र किये और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। करीब 20 जगहों के फुटेज देखे, कहीं ऐसी कोई घटना नहीं दिखी। जिसके चलते फरियादी शिवम तिवारी की कहानी झूठी पाई गई। फरियादी ने पुलिस को रविवार सुबह 7 बजे गोलीकांड होना बताया था और कोतवाली पुलिस ने मामले में तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज कर ली थी। फरियादी युवक शुभम तिवारी के अनुसार वह अपनी मां के साथ अपने मामा के गांव से नर्मदापुरम आ रहा था। इसी दौरान होमगार्ड आफिस के पास बाइक सवार तीन युवकों ने चलती कार पर फायरिंग की। गोली कांच में छेद करते हुए उसके हाथ में जा घुसी। मित्र और परिचितों ने घायल शुभम तिवारी को जिला अस्पताल पहुंचाया। गोली चलाने के मामले में पुलिस ने पुणेश शर्मा, साजन राजपूत व एक अन्य पर प्रकरण दर्ज किया था। अब पुलिस ने जांच के बाद मामले को फर्जी बताया है, आगे पुलिस की कार्यवाही जारी है। पुलिस ने कुछ महीने पहले हुए आनंद नगर स्थित लॉज वुड्स के सामने गोली कांड को भी जोड़कर देखा है।

पुलिस ने बताया कि फरियादी की गाड़ी का एक्सीडेंट नारायण नगर पुलिया के पास 4 जून की सुबह तड़के 4 बजे हुआ था। पुलिस फरियादी शिवम तिवारी व उसके साथ में शामिल लोगों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध करेगी। शिवम तिवारी के ऊपर पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस अधीक्षक करन सिंह ने बताया कि एसडीओपी पराग सैनी, शहर कोतवाली टीआई विक्रम रजक, साइबर एवं पुलिस टीम ने मिलकर इस पूरे घटनाक्रम की गुत्थी सुलझाई है। इस मामले में एसडीओपी पराग सैनी को प्रशंसा पत्र और पूरी टीम को दस हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

भाजपा महिला मोर्चा लाड़ली बहना सम्मेलन दमोह विधानसभा मे आयोजित

दमोह भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के द्वारा लाड़ली बहना सम्मेलन जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया, पूर्व अध्यक्ष पं विद्यासागर पांडेय, पूर्व विधायिका उमादेवी खटीक, जिला महामंत्री गोपाल पटेल, अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायिका सोना बाई,महिला मोर्चा की जिला महामंत्री सुमन पटेल मंचासिन रहें। अध्यक्षता महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शिखा जैन ने की। जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह द्वारा शिवराज शिवराज सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई और कहा कि इस हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना जैसी महती योजना से जिले की लगभग बहने लाभान्वित होगी, यह योजना आगामी समय में मील का पत्थर साबित होगी। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शिखा जैन ने मातृशक्ति पर केंद्रित योजनाएं बताई गई और कांग्रेस की नारी सम्मान योजना को बहनों के साथ फरेब बताया। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला मंत्री संगीता जैन ने किया कार्यक्रम का आभार सुमन पटेल जी ने किया। इस समारोह में मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश मिश्रा, सीमा पटेल, किरण साहू, आरती राय, महिला मोर्चा मीडिया प्रभारी रश्मि चौबे, सुषमा विश्वकर्मा, रजनी साहू, माया पटेल, कविता साहू, रेखा जैन, मधु नामदेव एवं अन्य महिला शक्ति उपस्थित रहीं।

साइक्लोथॉन 2023-ग्वालियर विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देगा

ग्वालियर। बढ़ते तापमान, अप्रत्याशित तूफानों, और धरती माता को हुए अपरिवर्तनीय नुकसान की लगातार याद दिलाने के बीच, विश्व पर्यावरण दिवस आशा की किरण और व्यक्तियों को बदलाव लाने का अवसर प्रदान करता है। इस भावना के साथ, कॉस्मो ग्रुप, दैनिक भास्कर, और ग्वालियर नगर निगम ने साइक्लोथॉन 2023 का आयोजन किया। इस आयोजन का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और ग्वालियर को क्लीन-अप लीडर बनाना है।

साइक्लोथॉन 2023 कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में मुख्य अतिथि महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, संभागीय आयुक्त दीपक सिंह, विशिष्ट अतिथि कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल, और नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह की विशिष्ट उपस्थिति के साथ एक भव्य आयोजन होने का वादा करता है। साइक्लोथॉन 2023 एक शानदार आयोजन होने का वादा करता है जो इसकी प्रासंगिकता पर जोर देता है।

चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता और वस्तुनिष्ठता सुनिश्चित करते हुए विजेताओं का निर्धारण लकी ड्रॉ द्वारा किया जाएगा। यह रणनीति अलग-अलग कौशल स्तरों और शारीरिक क्षमताओं वाले व्यक्तियों को सफलता के समान अवसर प्रदान करती है। आयोजक सभी पृष्ठभूमि के लोगों को इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने, एकजुटता की भावना और पर्यावरण के लिए साझा जिम्मेदारी का निर्माण करने में विश्वास करते हैं। दौड़ के रोमांच से परे, साइक्लोथॉन 2023 का गहरा महत्व है। प्रतिभागी ग्वालियर को स्वच्छ और हरा-भरा शहर बनाने की शपथ लेंगे। यह वादा पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार प्रथाओं और प्रबंधन की आवश्यकता पर बल देता है।

सामूहिक रूप से इन आदर्शों का पालन करके, दूसरों को सूट का पालन करने और शहरी स्वच्छता और पर्यावरण की चिंता के लिए नए मानक स्थापित करने के लिए ग्वालियर एक रोल मॉडल शहर बनने की उम्मीद करता है। साइक्लोथॉन 2023 का उद्देश्य एक उल्लेखनीय आयोजन होना है जो न केवल पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देता है बल्कि एक स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति ग्वालियर के समर्पण को भी प्रदर्शित करता है। यह आयोजन, जिसमें प्रतिष्ठित अतिथि, प्रसिद्ध नेता और एक उत्सुक समुदाय शामिल होंगे, से व्यापक जागरूकता बढ़ाने और नागरिकों को पर्यावरण सुधार में योगदान करने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद है।

छिंदवाड़ा मुझे अच्छा लगा , मोदी जी के नेतृत्व में देश ने बहुत विकास किया है

हरियाणा की विधायक सुनीता दुग्गल

छिंदवाड़ा। मोदी सरकार के 9 वर्षों की उपलब्धि बताते हुए हरियाणा सिरसा की सांसद की श्रीमती सुनीता दुग्गल व राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने गरीब कल्याण के लिए व देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बहुत काम किया है ,आज पूरी दुनिया मोदी जी की प्रशंसा कर रही है उन्होंने आरोप लगाया कि कमलनाथ की सरकार में भाजपा की योजनाएं बंद कर दी गई थी श्रीमती दुग्गल एक आईएएस ऑफीसर रही हैं उनसे पूछा गया कि आप पहले प्रशासनिक सेवा में थी अब राजनीति में आपको कैसा लगता है ,तो उन्होंने कहा कि जो सच्चे मन से काम करेगा उसके लिए राजनीति से अच्छा कोई प्लेटफार्म नहीं है उन्हें छिंदवाड़ा कैसा लगा तो उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा लगा यहां की आबोहवा एवं पर्यावरण बहुत अच्छा है पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक नरेश दिवाकर शेषराव यादव प्रियवर ठाकुर दारा जुनेजा ,संतोष पारीक ,विजय झांझरी अल्केश लांबा एवं अन्य नेता उपस्थित थे

शिवराज सिंह का महाकाल लोक घोटाला, देते हैं भगवान को धोखा-इंसान को ये क्या छोड़ेंगे-कांगेस

सिवनी- भाजपा शिवराज सरकार का सबसे बड़ा पाप, पूरे प्रदेश को भ्रष्टाचार का अड्डा बना चुके है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये गये लोकार्पण के सात महिनें के अंदर हल्की सी हवा में देव मूर्तिया पत्ते की तरह बिखर गयी। कारणों की तलाश करेंगे तो हंसी आ जायेगी। मूर्तियों के अंदर सब कुछ खोखला था, जिन मूर्तियो को निहारने देश दुनियॉ से श्रधालु चले आ रहें थे वह घटिया प्लास्टिक की निकली वह भी अंदर से खोखली थी, सामान्य रूप से किसी भी स्ट्रक्चर को मजबूती देने के लिये अंदर लोहें की सरियाओं का जाल बनाया जाता है, मूर्ति गिरने के बाद पता चला की उसमें लोहें का जाल डाला ही नहीं गया। अफसर कह रहें है कि कोई जांच की जरूरत नही है हम फिर बनवा लेंगे उसी ठेकेदार से, याने फिर से दोबारा दोहराने वाला, इससे पहले भी टूरिज्म के अफसरों ने मुर्तियों के खोखलेपन पर आपत्ति जताई थी, किन्तु शिवराज सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी से लोकार्पण की जल्दी के कारण किसी की बात नही सुनी। सवाल यह है कि इस महाकाल लोक परियोजना में जिसकी अनुमानित लागत 97 करोड़ 71 लाख रूपय थी, कमलनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर राशि को बढ़ाकर 300 सौ करोड़ स्वीकृत किये गये, कार्य आदेश 7 मार्च 2019 को जारी किया गया।

इतनी अधिक राशि स्वीकृति के बाद भी कार्य गुणवत्ता हीन कर भ्रष्टाचार किया गया, एफआरपी की प्रतिमाओं की मजबूती हेतु आंतरिक लोहें का ढांचा बनाया जाता है जो महाकाल लोक की प्रतिमाओं में नही बनाया गया। प्रतिमाओं के निर्माण में उपयोग की जाने वाली नेट की मोटाई 1200 से 1600 ग्राम जीएसएम की होनी चाहिये, किन्तु महाकाल लोक में स्थापित प्रतिमाओं में 150 से 200 ग्राम जीएसएम की ही चाईनीज नेट का उपयोग किया गया। देव मूर्तियो के निर्माण में गुणवत्ता की जांच हेतु कार्य स्थल पर ही प्रयोगशाला स्थापित की जाती है जो नही की गयी। यदि इस्तमाल की जाने वाली समाग्री का परीक्षण प्रयोगशाला में किया जाता तो प्रतिमाएं न तो गिरती और न ही खंड़ित होती। उज्जैन शहर में एक ही ठेकेदार द्वारा लगायी गई देवमूर्तियों के निर्माण में व्यापक अंतर सामने आया है। उज्जैन के स्थानीय सिंधी समाज द्वारा 25 फीट उँची मुर्ति का निर्माण 4 लाख 11 हजार रूपय में करवाया गया है। जबकि महाकाल लोक में 15 फीट उँची प्रतिमा का भुगतान 10 लाख 2 हजार रूपय किया गया है। क्षतिग्रस्त मुर्तियों को महाकाल लोक के कोने में रिपेयर किया जा रहा है। जबकि खंड़ित देव मूर्तियो को धर्मक्षेत्र में स्थापित करना वर्जित माना जाता है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक कोलार, तहसील-कोलार, जिला भोपाल

सूचना पत्र (वास्ते सीमांकन)

क्रमांक ..... भोपाल दिनांक 02/06/23

1. लक्ष्मण सिंह परमार, रामदयाल परमार, भवरजी परमार बागमुगालिया, 2. अजय कुमार आ. यसपाल नि. इंदौर, 3. राजीव जैन आ. श्री आर.के. जैन, भोपाल, 4. श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव पत्नी बी.के. श्रीवास्तव नि. भोपाल, 5. अनिल गिडवानी आ. हिरानंद गिडवानी भोपाल, 6. विकास कुमार आ. हरबंस नारायण नि. भोपाल, 7. प्रमिला सांडील्य पत्नी अरूण सांडील्य,

विषय :- सीमांकन किये जाने बाबत् सूचना पत्र।

संदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार, तहसील कोलार जिला भोपाल के रा.प्र.क्र. 0228020320200001-APP-17847/अ-12/2023-24, दिनांक 31/05/23 के संबंध में। उपरोक्त विषयांतगर्त ग्राम बागमुगालिया प.ह.नं. 21, रा.नि. मं. मिसरोद, तहसील कोलार, जिला भोपाल की भूमि खसरा क्रमांक 352/5/1, 352/5/2, 352/5/3 रकबा 0.050, 0.050, 0.050 हेक्टेयरे कुल रकबा 0.150 हे. जो कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती प्रेरणा, प्रमोद यादव, प्रभा यादव निवासी भोपाल के नाम से है, का सीमांकन संदर्भित प्रकरण में राजस्व निरीक्षक कोलार तहसील कोलार, जिला भोपाल द्वारा दिनांक 06/06/23 को समय 9:00 बजे किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस हेतु आप लोग मौके पर सीमांकन के समय उपस्थित रहे। यदि सूचना पत्र तामीली उपरोक्त आप लोग अनुपस्थित रहते है तो सीमांकन कार्य आपकी अनुपस्थिति की दशा में सीगित नही किया जावेगा। अत्यावश्यक शासकीय कार्य होने की स्थिति में सीमांकन की दिनांक मे परिवर्तन किया जा सकता है। पड़ोसी भूमिस्वामी के पता स्पष्ट न होने से आवेदक स्वयं के व्यय पर उक्त सूचना पत्र का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र में करा सकता है।

राजस्व निरीक्षक
कोलार तहसील, भोपाल

कार्यालय राजस्व निरीक्षक वृत्त - 2 ईंटखेड़ी सड़क तहसील - हुजूर, जिला भोपाल

क्रमांक Q / रा. निवृत्त - 2 / ईटखेडीसड़क / भोपाल / 2023 भोपाल दिनांक 05/06/2023

सूचना-पत्र

1. राजाराम पिता पन्नालाल नि. भोपाल 2. चिरौजीलाल पिता फुंदीलाल नि. भोपाल 3. ओमप्रकाश पिता नन्नूलाल नि. भोपाल 4. हरविंदरसिंह पिता त्रिलोचनसिंह नि. ई 5/31 अरेरा कालोनी भोपाल 5. जयन्त शुक्ल वैभव शुक्ल पिता शिवदत्त शुक्ल पता सी-4 डाक्टर्स कालोनी ईदगाह हिल्स भोपाल 7. मोहम्मद ताहिर खान पिता नौशेखान पता 79 शाहजहानाबाद भोपाल 8. अजीजा बी पत्नी मुर्तजा खॉ नि. भोपाल 9. अंसार अहमद नसीम अहमद अफाक अहमद अख्तर अहमद पिता अशफाक अहमद वगैरह नि. भोपाल 10. गौरियाबाई पत्नी हरभजन वगैरह नि. भोपाल 11. मौली सक्सेना पत्नी दीपरतन सक्सेना नि. सनसिटी एयरपोर्ट रोड भोपाल 12. श्रीमति शोभा जैन पत्नी जय भगवान जेन नि. बी-93 सेक्टर रजत विहार नोएडा 13. प्रकाशचंद्र जैन पिता सुंदरलाल जैन नि. 112 बीडीए कालोनी कोहेफिजा भोपाल 14. पंकज मलिक पुत्र एनसी मलिक नि. ई-4 अरेरा कालोनी भोपाल 15. डा विधात्री तिवारी पत्नी संजय प्रकाश तिवारी नि. ई-1 बीयू भोपाल 16. ज्योति त्रिवेदी पत्नी सत्यप्रकाश त्रिवेदी सिकंदराबाद आंध्रप्रदेश 17. श्रीमति कुसमा कटियार पत्नी जेएन कटियार सरदापुर जिला कानपुर भोपाल 18- हरिसिंह पिता दुर्गाप्रसाद ग्राम विशनखेड़ी

उपरोक्तानुसार आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक जगदीश पुत्र पन्नालाल निवासी विशनखेडी की ग्राम परेवाखेडा पटवारी हल्का नम्बर 17 तहसील हुजूर जिला भोपाल स्थित खसरा नं. 318 / 2, 363 /1/2, 363 /2/1 375 / 2,375/3, 376 / 1 रकबा क्रमशः 0.400 हे., 0.1600 हे , 0.1600 हे., 0.1000 हे, 0.350 हे, 0.0100 हे, इस प्रकार कुल रकबा 1.1800 हे. भूमि के सीमांकन करने हेतु आदेशित किया गया है। उक्त सीमांकन दिनांक 07/06/2023 को समय दोपहर 3.00 बजे किया जाना सुनिश्चित किया गया है। पड़ोसी कृषक होने के नाते आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त स्थल पर उपस्थित होकर अपना पक्ष समर्थन कर सकते है। अनुपस्थिति की दशा में सीमांकन कार्य स्थगित नहीं किया जावेगा।

अति आवश्यक शासकीय कार्य होने के कारण सीमांकन तिथि बढ़ाई जा सकेगी।

राजस्व निरीक्षक
वृत्त - 2 ईटखेडी, सड़क
तहसील-हुजूर जिला-भोपाल

निरंकारी मिशन ने चलाया स्वच्छता अभियान

निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन आशीर्वाद से विश्व को वैश्विक प्रदूषण एवं ग्लोबल वार्मिंग के संकट से बचाने हेतु संत निरंकारी मिशन की समाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा संयुक्त राष्ट्र की थीम बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन के विषय अनुरूप आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मेगा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, पर्यावरण संकट के मध्य जहां प्रदूषण से निपटने हेतु समूची दुनिया एक साथ एक मंच पर आकर खड़ी हो गई है ऐसे समय में संत निरंकारी मिशन के हजारों स्वयंसेवक अपनी खाकी वर्दी और संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की नीली टीशर्ट एवं टोपी में सेवारत होकर आज जगह जगह पर स्वच्छता अभियान चलाया, संत निरंकारी मिशन निरंतर आध्यात्मिक जागृति के साथ-साथ मानवता की सेवा में स्वयं को प्रतिपल समर्पित कर रहा है इन सेवाओं में मुख्यतः वृक्षारोपण स्वच्छता अभियान रक्तदान शिविरों का आयोजन इत्यादि प्रमुख है इसके अतिरिक्त समाज के उत्थान हेतु महिला सशक्तिकरण एवं युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक मार्गदर्शन देने के लिए अनेक कल्याणकारी परियोजनाओं को भी संचालित कर रहा है अपनी इन निस्वार्थ सेवा हेतु मिशन विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सराहा गया है और परमार्थ हेतु यह सभी सेवाएं सदुरु के निर्देशन में निरंतर जारी है, निश्चित रूप में समय-समय पर आयोजित किए गए ऐसे अभियान प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने हेतु एक सार्थक कदम है जिसमें संत निरंकारी मिशन अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

ज्ञात हो आजादी के 75वे अमृत महोत्सव के अवसर पर सदुरु माता जी के पावन आशीर्वाद से दिनांक 26 फरवरी को ÷अमृत परियोजना÷ स्वच्छ जल स्वच्छ मन के तहत संपूर्ण भारतवर्ष में स्वच्छता अभियान चलाया गया था जिसमें समाज के सभी क्षेत्रों से सराहना प्राप्त हुई थी।

ब्रांच नैनपुर मीडिया प्रभारी कैलाश कटियार ने बताया की ब्रांच नैनपुर में भी आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में चकोर नदी में विशाल स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें ब्रांच नैनपुर की सर्व साधसंगत, सेवादल के भाई बहन व नगर पालिका की टीम भी उपस्थित रही जिसमे विशेष अतिथि नगर पालिका के प्रेस्ब्ह श्री राजाराम वरठे जी भी उपस्थित रहे इस स्वच्छता अभियान को देखते हुए उन्होंने निरंकारी मिशन की खूब प्रशंसा की, अंत मे ब्रांच के आदरणीय मुखी महात्मा ज्वाला प्रसाद विश्वकर्मा जी ने आये हुए अतिथि व साधसंगत का आभार व्यक्त किया।।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्रमांक - 1

शेड क- 7 जवाहर चौक, भोपाल

निविदा सूचना क - 17 से 18 / वलेलि / 2023-24 भोपाल, दि.- 31.05.2023

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है । उल्लेखित कार्यो का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्रं.	निविदा सूचना क्रं.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि रू. लाखों में	अमानत राशि
1.	17	2023_ PWDRB_ 280636	लोनिवि नगर उपसंभाग क्रं.-3 के अन्तर्गत जेल रोड पुलिस कन्ट्रोल रूम से डी.बी. माल, डेयरी भदभदा रोड (ए-आई हॉस्टल से 50 बुल शेड), डेयरी भदभदा परिसर रोड, कमला नगर आंतरिक मार्ग, गोविन्दपुरा पुलिस लाईन क्वाटर्स के आंतरिक मार्ग एवं विन्ध्य कोठी के आंतरिक मार्ग, पाठ्य पुस्तक निगम से मुख्य निर्वाचन ऑफिस रोड तथा कोटरा सुल्तानाबाद शासकीय क्वाटर्स के आंतरिक मार्ग में बी.टी. रिनुअल का कार्य लं. 12.26 किमी. (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 47051000/- (रू. चार करोड सत्तर लाख इक्यावन हजार मात्र)	रू. 470510/-
2.	18	2023_ PWDRB_ 280637	लोनिवि नगर उपसंभाग क-2 भोपाल के अन्तर्गत पालिटेक्निक चौराहा से सी.एम. हाउस गेट नं.2 तक, किलोल पार्क भारत भवन, सी.एम. हाउस गेट नं. 6 से वन विहार गेट नं.1 तक एवं गेट नं.2 से भदभदा चौराहा,सी.एम. हाउस के आंतरिक मार्ग पर बी. टी. रिनुअल का कार्य लं. 5.30 किमी. (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 18758 000/- (रु. एक करोड सत्तासी लाख अट्ठावन हजार मात्र)	रू. 187580/-

उपरोक्त वेबसाईट पर आनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र कय एवं सबमिशन करने की अंतिम तिथि 13.06.2023 सायं 5:30 बजे निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन. आई. टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

जी-14213/23

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क-1 भोपाल
दूरभाष- 0755-2777485

चॉकलेट फैक्ट्री पर छापा, 276 किलो चॉकलेट वेफर्स जब्त!

इंदौर। चॉकलेट बनाने वाली फैक्ट्री आईओ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के लसूडिया मोरी पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने जांच की। जहां कन्फेक्शनरी वेफर्स निर्माण एवं संग्रहण होना पाया गया। मौके पर विभिन्न ब्रांड के वेफर्स बनाए जा रहे थे। दो दिन पहले इस फैक्ट्री में बच्चों से काम करवाए जाने की शिकायत के बाद कार्रवाई की गई थी।

मौके पर उपस्थित फैक्ट्री के सेल्स मैनेजर आदर्श कुशवाहा ने बताया कि वह विभिन्न कंपनियों के लिए जॉब वर्क करते हैं। उनके लिए वेफर्स का निर्माण कर उनको सप्लाई करते हैं। मौके पर टू मच वेफर्स चॉकलेट लेयर, चेरी टू मच चॉकलेट कोटेड वेफर्स, चेरी क्लासिक चॉकलेट कोटेड वेफर्स एवं निर्माण सामग्री कोकोआ पाउडर, शक्कर एवं मैदा के कुल 6 नमूने जांच के लिए लिए गए। 21 कार्टून में 276 किलो वेफर्स जब्त किया गया, जिसका अनुमानित मूल्य 36640 रुपए है। लिए गए नमूनों को जांच के लिए स्टेट फूड टेस्टिंग लैबोरेट्री भोपाल को भेजा गया।

श्रम विभाग ने कार्यवाही की– चाइल्ड लाइन ने पाया था कि लसूड़िया क्षेत्र में एक चॉकलेट फैक्ट्री में काम कर रहे सभी 10 बच्चों से अमानवीयता से काम लिया जा रहा था। सभी बच्चे पसीने में लथपथ काम कर रहे थे। इलेक्ट्रॉनिक भट्?टी के बीच काम कर रहे बच्चों के लिए वेंटिलेटर था न एसी-कूलर। ये सभी बच्चे 30 रुपए प्रति घंटे में काम कर रहे थे। बच्चों के कारण उनके माता-पिता फैक्ट्री संचालक के बचाव में उतर आए हैं। फैक्ट्री में ब्रांडेड चॉकलेट की डुप्लिकेट भी पैक हो रही थी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बच्चों के माता-पिता का दावा है कि ये सभी बच्चे स्कूल जाते हैं। छुट्टियों के कारण वे बच्चों को काम सीखने के लिए फैक्ट्री में भेज रहे थे। लेकिन, फैक्ट्री के हालात पर सवाल-जवाब करने पर वे चुप्पी साध गए। कार्रवाई करने गए महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, चाइल्ड लाइन और पुलिसकर्मियों ने बताया कि फैक्ट्री संचालक को यह पता है कि बच्चों से काम लेना अपराध है। इसलिए वह पूरे समय परिसर का शटर बंद रखता था।

10 बच्चों को छुड़ाया गया– सूचना मिली थी कि यहां नाबालिगों से दिनभर काम लिया जाता है। इस पर चाइल्ड लाइन, श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग व पुलिस इन चारों विभागों की टीम ने गुरुवार रात को दबिश दी। यहां 10 बच्चे काम करते हुए मिले। फैक्ट्री में मशीन चलने काफी गर्मी रहती थी और बच्चे पसीने में तर रहते थे। वेंटिलेशन नहीं होने से उन्हें घबराहट भी होती थी। इसके चलते बच्चों का मेडिकल भी कराया गया। यहां से मिले बच्चों में 4 बालक व 6 बच्चियां हैं।

बच्चों को अलग-अलग समय पर काम करने बुलाया जाता है और ये बच्चे इसी क्षेत्र व आसपास के हैं। पता चला कि कुछ बच्चों को दिन में तो कुछ को दूसरी शिफ्ट में बुलवाया जाता है। इन बच्चों में 13 से 17 साल के बच्चे शामिल हैं। यह पता लगने के बाद चारों विभागों ने कैलोद हाला के एसडीए कंपाउंड स्थित आईओ वेंचर्स प्रालि चॉकलेट फैक्ट्री पर कार्रवाई की। फैक्ट्री संचालक का नाम हरीश कस्तूरी बताया जा रहा है जो नहीं मिला।

टीम को देखते सभी भयभीत– रात को संस्था 'आस' व 'कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन' की जानकारी के बाद चाइल्ड लाइन डायरेक्टर वसीम इकबाल, बचपन बचाओ आंदोलन के सलमान, महिला बाल विकास विभाग के आशीष वर्मा, श्रम विभाग के रवींद्र ठाकुर, तृप्ति डावर, कुलदीप, विशेष किशोर पुलिस इकाई से कुसुम बास्कले, राजकुमार खण्डेलवाल, रामेश्वर चौधरी पुलिस टीम के साथ फैक्ट्री में पहुंचे।

इन्होंने बताया कि अंदर एक हॉल में ये बच्चे नीचे बैठकर मशीन से पैक्ड की हुई चॉकलेट्स को अलग-अलग बॉक्स में पैक कर रहे थे। पास ही में प्लास्टिक की बहुत सारी ट्रे रखी थी जिसमें उन्हें रखा जा रहा था। मौके पर सात महिलाएं काम करती मिली जबकि तीन लड़के भी थे। इनमें एक महिला सुपरवाइज़र भी थी।

एक घंटे के 30 रुपए मिलते– इस दौरान कुछेक महिलाओं ने कहा कि बच्चों से कोई बाल श्रम नहीं कराया जा रहा है। ये सारे परिचित परिवारों के ही बच्चे हैं। इनके माता-पिता की सहमति के बाद ही इन्हें भेजा गया है। टीम ने दो बच्चों से बात की तो उन्होंने बताया कि उन्हें काम करने के 30 रु. प्रति घंटा मिलते थे और चार घंटे के 130 रु. मिलते थे। वे शाम को यहां आते थे।

थाने पर माता-पिता का हंगामा– कुछ बच्चों परिवार के लोग भी आ गए और कहा कि वे कोई कार्रवाई नहीं चाहते। एक ने कहा कि स्कूल की छुट्टियां चल रही है इसलिए बच्चों को यहां भेजा। जब विवाद बढ़ने लगा तो पुलिस ने माता-पिता के खिलाफ भी कार्रवाई की चेतावनी दी तो मामला कुछ शांत हुआ। पुलिस बच्चों को लेकर रात को लसूड़िया थाने पहुंचे तो वहां अन्य बच्चों के माता-पिता आ गए और टीम से विवाद करने लगे कि हमारे बच्चों को क्यों लाया गया, हम कोई कार्रवाई नहीं चाहते। पुलिस ने उन्हें कहा कि बच्चों से पूरी पूछताछ और मेडिकल के बाद सौंप दिया जाएगा। इसके बाद रात को ही इन बच्चों को मेडिकल के लिए भेजा गया और वहां से एक संस्था में रैफर किया गया। मामले में हर बच्चे से अलग-अलग काउंसलिंग की जा रही है।

बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने उज्जैन नगरी पहुंची पीएम मोदी की पत्नी जसोदाबेन

उज्जैन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की धर्मपत्नी जसोदाबेन परिजनों के साथ में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन पहुंची, जहां उन्होंने पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ में बाबा महाकाल की पूजा अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। गौरतलब है कि, बाबा महाकाल विश्व प्रसिद्ध है। बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद जसोदाबेन काफी ज्यादा खुश नजर आ रही थीं। इतना ही नहीं इस दौरान बाबा महाकाल के साथ वे तस्वीर लेती हुई भी नजर आई। इससे पहले भी पीएम मोदी की धर्मपत्नी बाबा महाकाल के दरबार में अपनी हाजिरी लगा चुकी है।

फरीद बजमी का इंतकाल

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय के सेवानिवृत्त डीएसपी (वरिष्ठ ग्रंथपाल) राष्ट्रपति पुलिस पदक प्राप्त एवं अंतर्राष्ट्रीय रंगकर्मी डॉक्टर फरीद बजमी (60) का मंगलवार तड़के दुखद निधन हो गया। वे दैनिक भास्कर के न्यूज़ एडिटर अलीम बजमी के बड़े भाई थे। उन्हें ओल्ड सेफिया कॉलेज भोपाल टॉकीज के निकट स्थित कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा। उनका आखिरी सफर इब्राहिमपुरा स्थित एस के कांपलेक्स यूपी हैंडलूम शोरूम बिस्किट चौराहा स्थित निवास से दोपहर बाद शुरू होगा। उनकी नमाज ए जनाजा ओल्ड सैफिया कॉलेज के नजदीक स्थित कब्रिस्तान के शेड में अदा होगी।

एप्पल को टक्कर देने आ रही ब्रिटेन की ये कंपनी, भारत में स्मार्टफोन बनाकर लोगों को देगी फायदा

नई दिल्ली। भारत में इस समय कई कंपनियां अपने फोन बनाकर लॉन्च कर रही है। ऐसे में बात अगर एपल की करें तो एक से बढ़कर एक मॉडल बनाए हैं। इसी बीच एक और अच्छी खबर आ रही है। अब एपल टक्कर देने ब्रिटेन की मोबाइल कंपनी भी भारत में फ़ोन बनाएगी। ब्रिटेन की नथिंग कंपनी भारत में फोन बनाने का निर्णय लिया है। वही एपल की बात करें तो लगातार कंपनी अपना प्रोडक्शन बढ़ा रही है। इसी बीच अब भारत में मेक इन इंडिया के तहत लोगों को रोजगार भी मिल रहे हैं। अब ब्रिटेन की कंपनी नथिंग ने भारत में मोबाइल फोन बनाने का निर्णय लिया है। ऐसे में लोगों के लिए और अधिक रोजगार के द्वार खुलेंगे।

नथिंग ने 4 टेक प्रोडक्शन किए लॉन्च– इस समय भारत स्मार्टफोन का सबसे बड़ा बाजार है और यहां पर कई बाहरी कंपनियों के द्वारा अपने स्मार्टफोन बनाकर लॉन्च किए जा रहे हैं ।कई कंपनियां भारत में बिजनेस करने पर दिलचस्पी दिखा रही है। ऐसे में अब ब्रिटेन की नथिंग कंपनी भी भारत में अपना स्मार्टफोन बनाने के लिए तैयार हो गई। एपल कंपनी भारत में आने के बाद ब्रिटेन की नथिंग कंपनी ने भारत में 4 टेक प्रोडक्शन लॉन्च कर दिए हैं।

भारत में 230 से अधिक ऑथराइज्ड सर्विस सेंटर मौजूद– कंपनी चाहती है कि वहां अपने इस प्रोडक्शन से ग्राहकों को जोड़ें और भारत में एक बड़ा सा मार्केट बनाएं यही कारण है कि अब कंपनी भारत में अपना स्मार्टफोन बनाने को तैयार हो गई है। नथिंग कंपनी ने भारत में 230 से अधिक ऑथराइज्ड सर्विस सेंटर मौजूद है। नथिंग 2020 में लंदन में लॉन्च हुई थी कंपनी के भारत में प्रोडक्शन शुरू करने से रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। वही कंपनी ने कुछ दिन पहले अपने कुछ प्रोडक्शन भी लॉन्च किए थे।

शार्क टैंक इंडिया सीजन 3 के रजिस्ट्रेशंस सिर्फ सोनी लिव पर शुरू

मुंबई, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया के पिछले दो सीजन की शानदार सफलता के बाद, सोनी लिव इसके तीसरे सीजन के बेहद अपेक्षित लॉन्च की घोषणा करते हुए उत्साहित है। रजिस्ट्रेशंस सिर्फ सोनी लिव पर 3 जून से शुरू होंगे। भारत के हर कोने से आने वाले आंत्रप्रेन्यर्स, इनोवेटर्स और व्यवसाय का उत्साह रखने वाले लोग इसमें भाग लेने और अपने सपनों को साकार करने के लिये आमंत्रित हैं! शार्क टैंक इंडिया सीजन 2 ने 103 बिजनेस में 80 करोड़ रूपये के धमाकेदार निवेश से उद्यमिता में तरक्की की एक लहर पैदा की थी। नई खोज वाले तकनीकी समाधानों से लेकर स्वास्थ्यरक्षा में अत्याधुनिक नवाचारों तक, इस शो ने कुछ बेजोड़ पिचेस देखे, उद्यमिता के उत्साह की सराहना की और स्टार्टअप्स को नई ऊँचाइयाँ दीं।

सूखे कचरे और कबाड़ से बनाए जा रहे आकर्षक और उपयोगी सामान, शहर में नगर निगम के साथ ह्यूमन मैट्रिक्स कंपनी कर रही है काम

इंदौर। आज के दौर में हमारे घरों से सूखे कचरे के रूप में ऐसे कई प्लास्टिक और अन्य आइटम निकलते हैं जिनको फेंकने पर यह एनवायरनमेंट के लिए काफी हानिकारक होते हैं। ऐसे ही घरों से निकलने वाले प्लास्टिक, लकड़ी, रद्दी, स्टील, लोहे और अन्य चीजों के वेस्ट मटेरियल से शहर में ह्यूमन मैट्रिक्स कंपनी इस प्रकार के आइटम का निर्माण कर रही है जो कि आकर्षक होने के साथ-साथ काफी यूज़फुल है।

ह्यूमन मैट्रिक्स कंपनी इंदौर मुंसिपल कॉरपोरेशन में इंपैनल्ड एनजीओ के रूप में एजेंसी के रूप में कार्यरत हैं। यह कंपनी पिछले 6 सालों से नगर निगम के साथ कार्य कर रही हैं। अभी तक कंपनी नेबशहर के अनेक इलाकों पर 100 से ज्यादा वेस्ट मटेरियल से तैयार आकर्षक आइटम लगाए हैं जो शहर की साज-सज्जा बढ़ाने के साथ-साथ काफी यूज़फुल भी है।

कंपनी की अदिति अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में हम शहर के आर्टिस्ट के साथ प्लान कर नए-नए अट्रैक्टिव आइटम बनाने की तैयारी में लगे हुए हैं जिसमें घरों से निकलने वाला सूखा कचरा, प्लास्टिक, बोटल, और अन्य आइटम को एकत्रित कर इनसे ऐसे आइटम बनाएंगे जो कि इको फ्रेंडली के साथ साथ पॉकेट फ्रेंडली भी होंगे।

उन्होने बताया कि आज से 6 साल पहले नगर निगम कमिश्नर प्रतिभा पाल ने हमें इन चीजों के बारे में अवगत कराया था जिसके तहत हमने लकड़ी के टुकड़े, लोहे के ड्रम प्लास्टिक, की बोटल, टायर और अन्य ऐसी सामग्री का इस्तेमाल अब हमारे द्वारा नहीं किया जाता है या उन्हें पूरी तरह से फेंक दिया गया है। ऐसे वेस्ट को कलेक्ट उनसे इस्तेमाल की जाने वाली आकर्षक चीजें तैयार करते हैं। जो इस्तेमाल करने में भी काम आते हैं साथ ही वह दिखने में बहुत आकर्षक होते हैं।

हमने अंडा ट्रे को सजावटी आइटम का रूप दिया है वही साइकिल और बाइक की चैन से इंडिया के मैप को तैयार किया है। इसी के साथ चावल से निकली बोरियों का इस्तेमाल अन्य सजावटी आइटम के रूप में किया है।इन वेस्ट मटेरियल से अब तक हमने कई आकर्षक आइटम बनाए हैं। हमारे द्वारा इंडिया का फर्स्ट 4क्रगार्डन तैयार किया गया है जहा पर चार भागों में विभाजित कचरे का उपयोग कर हरे भरे पौधे पैदा किये जा रहे हैं साथ ही अन्य कचरे का भी सुंदरता बढ़ाने में उपयोग किया जा रहा है। इस गार्डन में कंपोस्टिंग यूनिट सीटिंग यूनिट, टायर, बम्बू, पुरानी आइटम खूबसूरत गार्डन का निर्माण किया था।

भोपाल । महापौर मालती राय ने। आज गोविंदपुरा स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय में महापौर हेल्पलाइन की समीक्षा कर लाभार्थियों से समस्याओं के निराकरण का फीडबैक लिया एवं अधिकारियों को 24 घंटे में ही प्राप्त शिकायत के निराकरण करने हेतु निर्देशित किया।

अमेज़ॅन फैशन पर बहुप्रतीक्षित वॉर्डरोब रिफ्रेश सेल (डब्ल्यूआरएस) का 12वां संस्करण शुरू

मुंबई, एजेंसी। अमेज़ॅनफैशनने अपने बहुप्रतीक्षित शॉपिंग इवेंट, वॉर्डरोब रिफ्रेश सेलके 12वें संस्करण की घोषणा की है, जिसमें सबसे पसंदीदा फैशन और ब्यूटी ब्रांड्स के विस्तृत चयन पर डील्स मिलेंगी जो आपको अपने वॉर्डरोब को नया रूप देने के लिए प्रेरित करेंगी। गर्मियों का मौसम अपने चरम पर है और मानसून बस आने ही वाला है, ऐसे में अब समय आ गया है कि आप अपने लुक को वाइब्रेंट ह्यूज, फ्लोई सिलुएट्स और ब्रीजी फैशनेबल आउटफिट्स के साथ जीवंत बनाएं। समर ड्रेसेस से लेकर ट्रेंडी एक्सेसरीज और फुटवियर तक, सभी स्टाइलिश चीजों के लिए यह आपका वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है। आपका क्या प्लान है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हमने आपको अपैरल, जूते, हैंडबैग, घड़ियां, ज्वेलरी, किड्स वियर, ब्यूटी उत्पाद, लक्जरी ब्यूटी आदि में फैशन और ब्यूटी सिलेक्शन में सर्वश्रेष्ठ के साथ कवर किया है। गुरुवार, 1 जून 2023 से शुरू होकर सोमवार, 6 जून 2023 तक चलने वाले 6-दिवसीय शॉपिंग इवेंट के दौरान ग्राहक 4 लाख से अधिक स्टाइल्स पर 50 प्रतिशत से लेकर 80 प्रतिशत तक की छूट (नियम व शर्तें लागू) का लाभ उठा सकते हैं।वैन हुसैन, बीबा, लिवाइस, यूएस पोलो एसोसिएशन, प्यूमा, एडिडास, द बॉडी शॉप, लक्मे, लोरियल पेरिस, फॉरेस्ट एसेंशियल, अमेरिकन टूरिस्टर आदि सहित 1000 से ज्यादा टॉप ब्रांड्स से चयन करें। इसके अलावा, ग्राहक अपने पहले ऑर्डर पर मुफ्त डिलीवरी का लाभ उठा सकते हैं और 20 प्रतिशत कैशबैक* (नियम एवं शर्तें लागू) प्राप्त कर सकते हैं और 2 या अधिक उत्पादों की खरीद पर 30 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं, और प्राइम मेंबर्स 2000 रुपए या इससे ज्यादा की खरीदारी पर अतिरिक्त एपे (क्ल्4)रिवॉर्ड्स का लुत्फ उठा सकते हैं। खरीदार इन ऑफर्स का अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं और सीजन के सर्वश्रेष्ठ ट्रेंड्स को प्राप्त कर सकते हैं।

'हैप्पीनेस ट्रक 4.0' मध्य प्रदेश के सागर में परिवहन बिरादरी के साथ जुड़ा

सागर। एनबीसी बियरिंग्स - सीके बिड़ला ग्रुप द्वारा प्रस्तुत और वॉल्वोलाइन कमिंस द्वारा संचालित तथा मोटरइंडिया द्वारा आयोजित अपनी तरह का एकमात्र ;हैप्पीनेस ट्रक , बड़े जबरदस्त रोमांच और समारोहपूर्वक कश्मीर से सहर्ष रवाना किया गया। मध्य प्रदेश के सुरम्य उत्तर-मध्य क्षेत्र में स्थित, सागर परिवहन और लॉजिस्टिक्स में अपने महत्व के साथ प्राकृतिक सुंदरता को जोड़ती है। अपने रणनीतिक स्थान और अच्छी तरह से विकसित बुनियादी ढांचे के साथ, सागर माल और सेवाओं के सुचारू आवागमन की सुविधा प्रदान करता है। हैप्पीनेस ट्रक 4.0 ने मैकेनिक, ड्राइवर और ऑपरेटर के बीच खुशी, हंसी और ज्ञान फैलाने के लिए इस मनमोहक गंतव्य की यात्रा शुरू की । पहल ने परिवहन समुदाय के सदस्यों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि के साथ सशक्त बनाया, सीखने और विकास के माहौल को बढ़ावा दिया।हैप्पीनेस ट्रक 4.0 कैंपेन में उद्योग के टॉप ब्रांड्स एकजुट हुए हैं, जिनमें सीके बिड़ला समूह की इकाई, एनबीसी बियरिंग्स, (टाइटल पार्टनर), वॉल्वोलाइन (द्वारा संचालित), भारतबेंज़ (ट्रक पार्टनर), गेट्स (पावर ट्रांसमिशन पार्टनर), केटी टेलीमेटिक (नेविगेशन पार्टनर), अलक्राफ्ट (थर्मल मैनेजमेंट पार्टनर), सेटको (क्लच पार्टनर), एक्सेलाईट-डीएच लाइटिंग (लाइटिंग पार्टनर), विक्स फ़िल्टर्स ङ्क मान+हम्मेल (फ़िल्ट्रेशन पार्टनर) का उत्पाद ब्रांड, और टाटा ग्रीन बैटरीज (बैटरी पार्टनर) शामिल हैं।कश्मीर की सुरम्य वादियों से अपनी यात्रा शुरू करते हुए ट्रक जम्मू, जलंधर, लुधियाना, नालागढ़, बद्दी, करनाल, नई दिल्ली, आगरा, झांसी और सागर में पड़ाव कर चुका है, जहाँ परिवहन समुदाय से इसे जबरदस्त उत्साह और समर्थन मिला है।

अमेजन फ्रेश सुपर वैल्यू डेज़ के साथ गर्मियों का मज़ा लें!

मुंबई, एजेंसी। गर्मी के इस सीजन में आइये विभिन्न तरह के स्वादिष्ट एवं ताजा फलों का आनंद लेते हैं। इनका ताजगी भरा अहसास आपको चिलचिलाती गर्मी और पसीने से राहत दिलाएगा। अमेजन फ्रेश 1 से 7 जून के बीच सुपर वैल्यू डेज़ लेकर आया है, जिसमें आपको रसदार तरबूज से लेकर स्वादिष्ट आम तक, और क्रिस्पी खीरे से लेकर चटपटी शिमला मिर्च तक, सीज़न के सभी पसंदीदा फलों और सब्जियों का भरपूर आनंद मिलेगा। तो आइये, इस सुपर वैल्यू डेज स्टोर से अपने सभी पसंदीदा फलों, सब्जियों और गर्मियों के व्यंजनों की खरीदारी कीजिए और ऐसे व्यंजन तैयार कीजिए जो इस गर्मी के मौसम में आपको ठंडा और सेहतमंद रखने में मदद करे। सुपर वैल्यू डेज़ के दौरान ग्राहक सुपर सेवर ऑफ़र के साथ सीज़न की सभी जरूरी चीजों की खरीदारी कर सकते हैं। यहां पर ग्राहकों को सनफीस्ट, क्वालिटी वॉल्स, फॉर्च्यून और दावत सहित लोकप्रिय ब्रांडों पर 45त्न तक की छूट का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही वे घर पर सुविधाजनक डिलीवरी के विकल्पों का भी लाभ उठा सकते हैं। यहां ग्राहक 1 से 4 मई 2023 तक आइसीआइसीआइ बैंक क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड पर 10त्न के इंस्टेंट डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं। इसके तहत ग्राहकों को न्यूनतम 2,500 रुपये का लेनदेन करना होगा, वहीं उन्हें 300 रुपये तक की अधिकतम छूट प्राप्त होगी। फ्रेश जूस, हैल्दी स्नैक्स एवं ड्रिंक्स के साथ स्कूल में नए साल की एक मजबूत शुरुआत करने के लिए ग्राहक खासतौर पर तैयार किए गए बैक टु स्कूल स्टोर से किराने की जरूरी चीजों की खरीदारी कर सकते हैं।

आपकी जेब पर अगले महीने से भारी पड़ सकता है सऊदी अरब का लॉलीपॉप, जानिए इससे क्यों बढ़ी भारत की चिंता ?

नई दिल्ली। दुनियाभर के आइल मार्केट की खातिर सऊदी अरब का एक ऐलान आपकी जेब पर भी भारी पड़ सकता है। दरअसल, सऊदी ने कहा है कि वह जुलाई 2023 में तेल उत्पादन में रोजाना 10 लाख बैरल की कटौती करेगा। उसने ये ऐलान दुनिया में तेल की गिरती कीमतों में तेजी लाने के लिए किया है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल उत्पादक देशों का संगठन ह्वक्क्रष्ट+ ने अप्रैल में ही तेल उत्पादन में 16 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती की थी जो मई से प्रभावी हुई है। ऐसे में यदि सऊदी अरब जुलाई में तेल का उत्पादन और कम करता है तो इसका असर भारत में भी पट्रोल-डीजल की कीमत पर पड़ेगा।

कच्चे तेल की कीमत 2.40 फीसदी उछली– एक रिपोर्ट के मुताबिक, तेल उत्पादन में कटौती का असर आइल मार्केट में दिखने लगा है। सोमवार, 5 जून को एशियाई बाजार में भी क्रूड ऑइल (कच्चे तेल) की कीमतों में करीब 2.4त्न का उछाल आया और यह 77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल उत्पादक देशों के संगठन ह्वक्क्रष्ट+ ने तेल उत्पादन में भारी कटौती की घोषणा की है। सऊदी ने कहा है कि वह जुलाई में 10 लाख बैरल प्रति दिन की कटौती करेगा।

इसलिए सऊदी अरब ने दिया %लॉलीपॉप% का ऑफर– अप्रैल में ही ओपेक प्लस ने तेल उत्पादन में 16 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती की थी जो मई से प्रभावी हुई। इसके तहत सऊदी अरब ने 5 लाख बैरल प्रतिदिन और ईराक ने 2 लाख 11 हजार बैरल की कटौती की। यह कदम तेल की कीमतों में तेजी लाने के लिए उठाया गया था, लेकिन तेल की कीमत में सिर्फ कुछ समय के लिए ही तेजी रही। ऑइल मार्केट में कोई स्थायी असर नहीं हुआ। इसी के मद्देनजर ओपेक प्लस ने एक बार फिर तेल की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान ने कहा

कि यदि जरूरत पड़ी तो 10 लाख बैरल प्रतिदिन तेल उत्पादन में कटौती को जुलाई के बाद के महीनों में भी जारी रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह कदम एक सऊदी लॉलीपॉप है जिसका उद्देश्य दुनियाभर के तेल बाजार को स्थिरता प्रदान करना है।

तेल उत्पादन में इतनी कटौती कर चुका है ओपेक प्लस– दरअसल, रविवार 4 जून को रूस के नेतृत्व में ओपेक प्लस की बैठक हुई जिसमें बड़े तेल उत्पादक देशों ने क्रूड ऑइल की गिरती कीमतों को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। रूसी उप प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने बताया कि ओपेक प्लस ने अक्टूबर 2022 से तेल उत्पादन में कटौती की शुरुआत की थी और तब से कुल उत्पादन कटौती 36.6 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गई है।

सऊदी अरब ने इसलिए किया कटौती का ऐलान– ओपेक प्लस की 2 दिवसीय बैठक शुरू होने से पहले ही यह उम्मीद की जा रही थी कि ओपेक प्लस तेल की कीमतों को बढ़ाने के लिए उत्पादन में कटौती करेगा, लेकिन ज्यादातर सदस्य देश तेल उत्पादन में कटौती करना नहीं चाहते थे। तेल उत्पादन में कटौती संबंधित देशों की आमदनी को प्रभावित करती है इसी कारण कई देश नहीं चाहते थे कि वो तेल उत्पादन में कटौती करें। सऊदी अरब द्वारा स्वेच्छा से 10 लाख बैरल प्रति दिन तेल उत्पादन की कटौती करना ओपेक प्लस के लिए भी अप्रत्याशित फैसला था।

विजन 2030 के लिए आमदनी बढ़ाना चाहता है सऊदी अरब– सऊदी अरब के लिए यह महत्वपूर्ण है कि कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहें ताकि उसे घाटा न हो। सऊदी सरकार के अधिकारियों के मुताबिक क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट %विजन 2030% पर अरबों डॉलर खर्च होने के कारण कच्चे तेल से होने वाली आय बढ़ाना बेहद जरूरी है। उल्लेखनीय है कि %विजन 2030% क्राउन प्रिंस सलमान का बेहद महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है जिसके जरिए वो सऊदी अरब की परंपरागत तेल आधारित अर्थव्यवस्था में विविधता लाने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत पर ये होगा असर– अर्थव्यवस्था से जुड़े जानकारों की मानें तो सऊदी अरब का यह कदम आने वाले महीनों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ाएगा और मांग में अनिश्चितता पैदा करेगा। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है और इसकी अर्थव्यवस्था तेल पर आधारित है। यदि तेल उत्पादन कम होगा तो बाजार में तेल की कीमतें बढ़ेंगी। तेल के दाम बढ़ने का सीधा असर दैनिक जीवन के उपयोग की वस्तुओं पर पड़ता है। जाहिर है तेल के दाम बढ़ने से देश में महंगाई बढ़ेगी।

कविता पाटीदार एवं सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल प्रबुद्धों से करेगी जनसंवाद

छिंदवाड़ा। राज्यसभा सदस्य सुश्री कविता पाटीदार एवं सिरसा हरियाणा की सांसद सुनीता दुग्गल मोहन नगर के सिन्धु भवन में शाम 4 बजे जनसंवाद कार्यक्रम में भाग लेगी जिसमें सभी प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया गया है।

फलों के बीज एकत्र कर उन्हें मेढ़ों एवं जंगलों में लगाये: अरूण कपूर

छिंदवाड़ा/परासिया। वरिष्ठ भाजपा नेता व पर्यावरण प्रेमी अरूण कपूर ने आम जनों से विश्वपर्यावरण दिवस पर अपील की है कि आमजन जो भी फल खाये उसकी गुठली (बीज)को न फेंके, वे उसे एकत्र करें और बाद में वर्षा ऋतुकेसमय उसे जंगलोंमें लगा दे या फेंक देवे जिससे अधीकांश गुठली बीज लग जाती है, जैसे आम, जामून, बेर, ईमली, चार की बीजी, महुआ, हर्रा बेहड़ा आदि इन बीजों को खेतों की मेढ़ों, पहाडियों एवं जंगलों में फेक देवे तो बहुत से पौधे लग जाते हैं।

पट्टाधारियों को भेजे नोटिस के विरोध में प्रदर्शन

छिन्दवाड़ा। प्रदेश की भाजपा सरकार के इशारों पर प्रशासन पट्टाधारियों को नोटिस भेजकर उनमें डर पैदा करने का प्रयास कर रहा है। नगर पालिक निगम कमिश्नर कार्यालय से निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 7 में पट्?टे की भूमि पर बने मकानों में निवासरत परिवारों को बेदखली का नोटिस भेजा गया है। उक्त नोटिस के विरोध में आज कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि मण्डल ने निगम कमिश्नर कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। अपनी उचित मांगों का ज्ञापन सौंपकर अविलम्ब पूरा करने की मांग की। कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष फिरोज खान के नेतृत्व में आज वार्ड क्रमांक 7 के पट्?टाधारियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपते हुये निगम कमिश्नर को बताया कि वे विगत 30 वर्षों से निवासरत है, तब से वे मूलभूत सुविधाओं की मांग करते आ रहे हैं, जिसे आज तक पूरा नहीं किया गया, जबकि अब प्रशासन से उन्हें नोटिस भेजे जा रहे हैं जो पूर्णतः गलत है। ज्ञापन प्रस्तुत करते समय मुख्य रूप से शानू कुरैशी, सलमा खान, बिलाल, साजिद, सपना वर्मा ऊषा राउत सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत

छिन्दवाड़ा- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सीएम कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किये गये हैं। कांग्रेस संगठन के प्रति निष्ठावान व क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाने वाले सक्रिय पदाधिकारियों को ब्लॉक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे से विमर्श के उपरांत जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मुकेश उपाध्याय के द्वारा पांच ब्लॉक अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष व महामंत्री नियुक्त किये गये हैं। मोहखेड़ ब्लॉक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भुवनेश्वर पवार, हर्रई ब्लॉक अध्यक्ष ब्रजभान शाह, जामई अनंत बनर्जी, नवेगांव मुकेश यदुवंशी व दमुआ ब्लॉक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी विकास पाटिल को जिम्मेदारी सौंपी है। चौरई में कार्यकारी अध्यक्ष गौरव तिवारी व जामई से महामंत्री पद पर राजा यदुवंशी को नियुक्त किया है।

गर्ल्स कॉलेज के सेवा बने स्वभाव एवं इको क्लब की छात्राओं ने किया पौधारोपण

छिंदवाड़ा। राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा प्राचार्य डॉ अजरा एजाज के मार्गदर्शन एवं डॉ उमा पंड्या, डॉ नीलिमा बागड़े के नेतृव में सेवा बने स्वभाव एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। जिसमें पावर फूड आंवले, जामुन आम, मुनगा आदि पौधे लगाए गए। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ अजरा एजाज ने पर्यावरण के संरक्षण हेतु उपस्थित कर्मचारी एवं छात्राओं को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में डॉ एस.के.बाटड़, डॉ उषा भारती, डॉ. श्रीपद अलोनकर, श्री प्रमोद झाड़े, श्री मनोहर ठाकरे, डॉ सुधीश कुमार सूर्यवंशी, ढालसिंह गौतम सहित सेवा बने स्वभाव एवं इको क्लब की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में पौधारोपण

छिन्दवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की छिंदवाडा इकाई द्वारा सारा स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर अशोक, वट, चमेली और आम सहित अन्य फलदार व छायादार पौधे रोपे गये और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा में विश्व बैंक के सहयोग से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा सीवरेज परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में कंपनी के उप परियोजना प्रबंधक श्री लीलाधर व्दिवेदी, सहायक परियोजना प्रबंधक इश्मित कौर, सामुदायिक विकास अधिकारी अर्चना सिंह, पर्यावरण विशेषज्ञ लक्ष्मण सिंह व राहुल ताम्रकार, उपयंत्री राहुल साहू, संविदाकार के प्रतिनिधि श्री भीम सिंह सहित श्रमिकगण मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव की तैयारी प्रारंभ....
जिले के मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण की तैयारी करने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। म.प्र.राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले द्वारा निर्वाचक नामावलियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के साथ ही जिले के मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण की तैयारी करने के निर्देश दिये गये हैं। ये निर्देश जिले के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों/राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, तहसीलदारों को दिये गये हैं । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पटले ने बताया कि निकट भविष्य में विधान सभा 2023, लोकसभा 2024 आम चुनाव सम्भावित है तथा आगामी विधान सभा आम चुनाव इस वर्ष अनुमोदित मतदान केन्द्रो के आधार पर ही कराये जायेंगे । मतदान केन्द्रो का अंतिम प्रकाशन 2 अगस्त 2023 को किया जायेगा। जिसके आधार पर फोटो निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन आगामी 4 अक्टूबर 2023 को होगा। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 25 के अंतर्गत निर्वाचन क्षेत्रों के लिये मतदान केन्द्रों का उपाबन्ध में वर्णित प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही करें। साथ ही आपके विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी मतदान केन्द्रों का मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र.द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सूक्ष्म परीक्षण किया जाकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्णित बिन्दुओं में कार्यवाही की जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुये निर्देशानुसार कार्यवाही पूर्ण कर आगामी 12 जून तक मतदान केन्द्रों के प्रस्ताव जिला कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें जिससे आगामी 26 जून तक मतदान केन्द्र के संशोधन के प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन पदाधिकार म.प्र.भोपाल को प्रेषित कर आयोग का अनुमोदन प्राप्त किया जा सके । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पटले ने निर्देश दिये हैं कि मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण का प्रस्ताव बनाते समय दिशा निर्देशों का विशेष ध्यान रखें और मतदान केन्द्र के संशोधन के प्रस्ताव में विधानसभावार 14-कॉलम पत्रक, 3-5 तक के उपबंध, मतदान केन्द्रों को अंकित करता हुआ विधानसभा क्षेत्र का डिजिटल नक्शा, राजनैतिक दलों के साथ मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में हुई बैठक का कार्यवाही विवरण व उपस्थिति पत्रक आदि दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। जिन भवनों में 5 अथवा उससे अधिक मतदान केन्द्र स्थापित है, ऐसे भवनों में स्थापित मतदान केन्द्रों के लिए नवीन भवन उपलब्ध हो तो मतदान केन्द्रों को इन भवनों में स्थानांतरित करें । जिन मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक है, उनके मतदाताओं को यथासंभव पूर्ण अनुभाग सहित नजदीक के अन्य मतदान केन्द्रों में स्थानांतरित कर युक्तियुक्तकरण करते हुये नवीन मतदान केन्द्र बनाये जाये ।

शादी में ग्वालियर पहुंचे भाजपा नेता संदीप रघुवंशी

छिंदवाड़ा। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र तोमर की सुपुत्री का विवाह 6 जून को ग्वालियर में है, जिसमें देश भर से विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है, बताया जाता है कि छिंदवाड़ा से पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह, कन्हईराम रघुवंशी, बंटी साहू एवं संदीप रघुवंशी को आमन्त्रित किया गया है। जिसमें संदीप रघुवंशी शादी समारोह में पहुंचे है वहां उनकी देश एवं प्रदेश के कई अतिथियों से मुलाकात हुई।

मेरी लाईफ मेरा शहर हो रही सफाई

परासिया। नगर पालिका परिषद डोंगर परासिया में स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 मुख्यमंत्री स्वच्छता संकल्प अभियान के तहत मेरी लाइफ मेरा शहर के अभियान के तहत आज शहर में नगर पालिका के द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिससे कि हमारा शहर हमारा मध्य प्रदेश पुनःफिर से स्वच्छ एवं नंबर वन पर आ जाए जिसके के लिए प्रयास किया जा रहा हैं। कि मध्य प्रदेश स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 स्वच्छ भारत मिशन किस सूची में नंबर वन पर बना रहे।माननीय मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प अभियान के तहत आज नगर पालिका परिषद डोंगर परासिया के द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें नापा अध्यक्ष विनोद मालवी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी दिनेश वाघमारे, उपाध्यक्ष महेश सोमकुंवर, सभापति आशीष जयसवाल, की उपस्थिति में स्वच्छता निरीक्षक दीपक राय, स्वच्छता पर्यवेक्षक रोशनी बुनकर, ओर सलीम खान के नेतृत्व में सफाई मित्रों के द्वारा विशेष सफाई अभियान के अंतर्गत 1 से 21 वार्डों में सभी बड़े एवं छोटे नालों की सफाई की जा रही हैं जिसमें शहर के सभी बड़े एवं छोटे नाले को विशेष सफाई अभियान के अंतर्गत साफ़ किए जा रहे हैं आने वाले मानसून को ध्यान में रखते हुए हुए परासिया शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है जिससे कि बरसात के समय में परासिया शहर में कोई समस्या ना हो और शहर में समय-समय पर विशेष अभियान चलाए जाते हैं

वार्ड 12 के निवासियों को पुलिया की समस्या से मिलेगी निजात

परासिया। दिन सोमवार को परासिया के वार्ड नंबर 12 में पुलिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय लोक निर्माण विभाग के सभापति पवन सूर्यवंशी वार्ड नंबर 12 की पार्षद एवं सभापति सुषमा चौरसिया वार्ड के वरिष्ठ अनुज गर्ग प्रदीप राजपूत राजेंद्र भाई (ब्रैडी) एवं अन्य वार्ड के नागरिक गण उपस्थित रहे। लोक निर्माण विभाग के सभापति पवन सूर्यवंशी ने बताया की नगर पालिका में उप यंत्री नहीं होने की वजह से कई दिनों से पुलिया का निर्माण नहीं हो पा रहा था इस पुलिया के निर्माण नहीं होने से वार्ड में कई वर्षों से परेशानियों का सामना वार्ड वासियों को करना पड़ रहा था पुलिया की स्थिति खराब होने की वजह से आवागमन में परेशानी हो रही थी अभी वर्तमान समय में उप यंत्री आने की वजह से पुलिया का निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया। अब बरसों पुरानी इस समस्या से वार्ड नंबर 12 के निवासियों को निजात मिलेगी साथ में वार्ड के अन्य रुके हुए निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो सकेंगे।

कलेक्टर ने जाना वार्ड का हाल

छिंदवाड़ा। मिशन लाईफ पर विश्वपर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने वार्ड नं. 11 रामबाग में स्वस्था अधियान के अंतर्गत डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व साफ-सफाई के संबंध में वार्ड वासियों से चर्चा कर फीड बैक लिया, इस दौरान नगर निगम आयुक्त राहुलसिंह एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

अवैध देशी एवं विदेशी शराब बरामद कर बनाया प्रकरण

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम सुखारी में अरुण नामक व्यक्ति अपने निवास पर अंग्रेजी एवं देसी शराब बेचने की शिकायत पर सहायक निरीक्षक के के बघेल ने जाकर अरुण के पास से देसी मसाला एवं अंग्रेजी शराब जबकि वही ग्राम सालीवाडा में आशीष दहिया के पास से हाथ भट्टी की कच्ची महुआ की शराब 10 लीटर तथा छोटू अमरवाड़ा से भी 10 लीटर देसी महुआ की शराब सहायक उपनिरीक्षक नूर सिंह ने जप्त कर आबकारी अधिनियम में आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

भाजपा सरकार में वन विभाग में अतिरिक्त प्रभार के नाम पर चल रहा है बड़ा खेल

छिंदवाड़ा। भाजपा सरकार में वन विभाग में अतिरिक्त प्रभार के नाम पर बड़ा खेल चल रहा है एवं शासकीय नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए कुछ अधिकारियों को सेवा शुल्क लेकर उपकृत किया जा रहा है उक्त आशय का आरोप लगाते हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संभागीय प्रवक्ता गुंजन शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार में वन विभाग में एक अधिकारी के पास तीन से चार अलग-अलग शाखाओं एवं वृत्तों का प्रभार देकर उनसे उगाही का काम करवाया जा रहा है। जबकि प्रदेश में रिक्त पदों पर कई कर्तव्यनिष्ठ ईमानदार वन अधिकारी अपनी पदस्थापना का इंतजार कर रहे हैं। एवं अतिरिक्त प्रभार में बैठे वन अधिकारी ना अपनी मूल पदस्थापना वाले पद का काम सही तरीके से कर पा रहे हैं और ना ही अतिरिक्त प्रभार वाले काम में ध्यान दे पा रहे हैं, जिसके कारण वन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है एवं प्रदेश में लगातार वन्य प्राणियों के शिकार ,अवैध कटाई, के साथ वन अधिकारियों के साथ मारपीट जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही है । श्री शुक्ला ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अतिरिक्त प्रभार देने के नाम पर वन विभाग में पैसा उगाने की नई स्कीम लांच की गई है जिससे वन विभाग की व्यवस्था चरमरा सी गई है एवं वन अपराधियों के हौसले बुलंद होने के कारण फील्ड के पदों पर पदस्थ कर्मचारियों में भय का माहौल है । उन्होंने आगे कहा कि सरकार में अतिरिक्त प्रभार के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है जो चिंता का विषय है । उन्होंने बताया कि किस तरह से सरकार द्वारा अपने चहेते वन अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपे गए हैं जैसे छिंदवाड़ा वन वृत्त के सीसीएफ 30 नवंबर 2022 को रिटायर हो चुके हैं और इसका प्रभार पहले से ही दोहरे प्रभार में अनुसंधान विस्तार वृत्त सिवनी एवं वन वृत्त सिवनी के सी. सी. एफ. श्री एसएस उद्दे के पास है । इसी तरह पेंच नेशनल पार्क सिवनी के संचालक का प्रभार, वर्किंग प्लान छिंदवाड़ा में पदस्थ सी.एफ. देवा प्रसाद के पास है। होशंगाबाद वृत्त का अतिरिक्त प्रभार श्री टी. कृष्ण मूर्ति के पास है जो ए. पीसीसीएफ रैंक के अधिकारी हैं एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के संचालक पद पर पदस्थ हैं ।

मत्स्य पालन के साथ ही सिंघाड़ा उत्पादन के लिये 31 ग्रामीण तालाबों का चयन

छिन्दवाड़ा। कृषि उत्पादन आयुक्त की समीक्षा बैठक के दौरान गत दिनों कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा जिले के ग्रामीण तालाबों में मछली पालन के साथ ही सिंघाड़ा उत्पादन के संबंध में दिये गये निर्देशों के परिपालन में मत्स्य पालन विभाग द्वारा जिले में मछली पालन के साथ ही सिंघाड़ा उत्पादन के लिये 31 ग्रामीण तालाबों का चयन किया गया है । सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री राजेन्द्र सिंह ने बताया कि चयनित ग्रामीण तालाबों में मत्स्य पालन के साथ ही सिंघाड़ा उत्पादन से मत्स्य पालकों को प्रति एकड लगभग एक लाख रूपये की अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। जिले के मत्स्य पालन के साथ ही सिंघाड़ा उत्पादन करने के इच्छुक मत्स्य पालक जिला कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग का लगाया आरोप

छिंदवाड़ा। सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदीन साहू के नेतृत्व में बहुत सारे धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने आज महामहिम राष्ट्रपति , प्रधानमंत्री एवं मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रशासन द्वारा पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग पर कार्यवाही की माँग की। ज्ञापन में बताया कि भारतीय कुश्ती महासंघ के 12 साल से अध्यक्ष एवं 6 बार के सांसद ब्रजभूषण सिंह पर 28 अप्रैल 2023 को माननीय सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली पुलिस ने एफ.आई.आर. दर्ज की। ब्रजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में मामला पंजीबध्द किया है। परंतु आज तक गिरफ्तारी नहीं हुई। सभी विपक्षीय दल एवं पहलवान गिरफ्तारी की मांग कर रहें हैं। वहीं दिल्ली पुलिस जाँच कर रही है । पुलिस का मानना है कि सभी आरोप बेबुनियाद है । इसलिए गिरफ्तारी नहीं हो रही । जबकि पाक्सो एक्ट में नियम है कि आरोपी की गिरफ्तारी उसके बाद जाँच। इस एक्ट में यह भी नियम है कि यौन उत्पीड़न के कोई सबूत नहीं भी है और पीड़िता के बयान आरोपी के खिलाफ है तो भी सजा का प्रावधान है । ऐसा ही मामला संत श्री आशारामजी बापू का भी रहा है। 14 नवम्बर 2012 को पाक्सो एक्ट कानून लागू हुआ जिसमें पहला प्रकरण संत श्री आशारामजी बापू पर 20 अगस्त 2013 को दर्ज किया गया। जहाँ जोधपुर पुलिस ने बिना जाँच पड़ताल किये, बिना कोई सबूत देखे उन्हें जेल में डाल दिया। आशारामजी बापू के विश्व के 167 देशों में लगभग 60 करोड़ से अधिक साधक हैं जिन्होंने पूरे विश्व में आध्यात्मिक क्रांति लाकर करोड़ों लोगों का जीवन उन्नत किया। लाखों लोगों को धर्मान्तरण से बचाकर घर वापसी करवायी। इसी कारण किसी दबाववश प्रशासन ने झूठा आरोप में प्रकरण दर्ज किया है संत समस्त मानव कल्याण के लिए हैं , तो उन्हें जेल में डाल दिया ! वहीं ब्रजभूषण सिंह राजनेता हैं तो उनके साथ लचिला व्यवहार किया जा रहा है। मेरा किसी से कोई राग द्वेष नहीं है पर कानून की अलग-अलग व्याख्या दुर्भावना दर्शाती है। इन दोनों प्रकरणों में दिल्ली पुलिस एवं जोधपुर पुलिस दोनों में से एक गलत है। कृपया दण्डात्मक कार्यवाही की जाये । ज्ञापन देते समय साध्वी रेखा बहन, साध्वी प्रतिमा बहन आधुनिक चिंतक हरशूल रघुवंशी, शिक्षाविद विशाल चवुत्रे, कुंबी समाज के युवा नेता अंकित ठाकरे, राष्ट्रीय बजरंग दल के नितेश साहू, कलार समाज के सुजीत सूर्यवंशी, पवार समाज के प्रमुख हेमराज पटले, सेवा संघ के नितिन डोईफोड़े , ओमप्रकाश डहेरिया , अश्विन पटेल , नारी रक्षा मंच से दर्शना खट्टर, छाया सूर्यवंशी , डॉ. मीरा पराडकर , शकुंतला कराडे , आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुई मैराथन
कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने दिखाई हरी झण्डी

छिन्दवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के सुअवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड छिंदवाड़ा के तत्वाधान में क्षेत्रीय अधिकारी के. एन. कटारे के कुशल निर्देशन में सोमवार 5 जून को मैराथन का आयोजन "Runnig for a healthy innings" थीम पर फव्वारा चौंक से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती शीतला पटले कलेक्टर छिंदवाड़ा द्वारा उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों सहित विद्यार्थियों को मिशन लाइफ शपथ दिलाकर की गई । पर्यावरण के प्रति जागरूकता को लेकर हुई मैराथन को श्रीमती शीतला पटले कलेक्टर जिला छिंदवाड़ा, राहुल सिंह कमिश्नर नगर निगम, सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दीपकराज जैन ने हरी झंडी दिखाई। क्षेत्रीय कार्यालय मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड छिंदवाड़ा द्वारा सभी अतिथियों को उपहार स्वरूप पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया वहीं दीपकराज जैन ने जलपात्र भेंटकर कलेक्टर महोदया, निगम कमिश्नर सहित सभी अधिकारियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान जिला खेल अधिकारी आर. आर नागले , जिला अक्षय ऊर्जा अधिकारी सुनील गौखेड़कर, यशराज जैन, म. प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहायक यंत्री अरविंद तिवारी, वैशाली पांडे उपयंत्री, शिखा बोपचे कॉन्ट्रैक्ट इंजीनियर, सुरेश सरेठा प्रयोगशाला सहायक , शकुंतला पैठंकर, राकेश स्थापक उपस्थित रहे।

मैराथन में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों सहित समाज सेवी, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, सभी ने जनमानस को पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देकर विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी।

बालिका वालीबाल में मध्यप्रदेश जनजातीय नेशनल टीम हेतु अंजली सरेयाम का हुआ चयन

बिछुआ। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित होने वाले जनजातीय राष्ट्रीय खेल महोत्सव की नेशनल वालीबाल प्रतियोगिता भुवनेश्वर (उड़ीसा) हेतु शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिछुआ की छात्रा कु. अंजली सरयाम पिता रिक्खीलाल सरयाम का चयन हुआ है। संस्था प्राचार्य एम. के. इवने ने बताया कि 1 जून से 6 जून तक नेशनल कैंप जुन्नारदेव के पश्चात खिलाड़ी बालिका भुवनेश्वर (उड़ीसा) में दिनांक 9 से 12 जून तक होने वाली राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेकर मध्यप्रदेश दल का प्रतिनिधित्व करेगी। खिलाड़ी छात्रा के चयन पर जनजातीय कार्य विभाग प्रमुख एवं मार्गदर्शक सहायक आयुक्त सत्येन्द्र सिंह मरकाम, जिला खेल अधिकारी अनुरोध शर्मा, सीईओ आर जी गांजरे, प्राचार्य एम के इवने, नीरज आसाटी, संस्था के खेल शिक्षक संजीव गौतम, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ब्लाक समन्वयक प्रकाश डेहरिया, गणेश घागरे, जितेंद्र नागरे, बलदेव डोभारे, श्रीमती स्वाति शुक्ला, रूपाली हुरडे, रानी चौरिया, सहित समस्त स्टाफ एवं छात्राओं ने शुभकामनाएं दीं।

विश्व पर्यावरण दिवस
पौधारोपण करें, स्वच्छता रखें, पालीथिन का उपयोग कम करें एवं पानी बचाने का दिया सन्देश

विश्व पर्यावरण पर किया वृक्षारोपण

छिन्दवाडा। शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाडा के प्राचार्य डॉ. पी.आर.चन्देलकर के संरक्षण में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जगमोहन सिंह पूषाम प्रो.महेन्द्र साहू के महिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि डोडानी के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको ने 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर पीजी कॉलेज के हर्बल गार्डन में किया वृक्षारोपण जिसमें एनएसएस सहायक टीम लीडर विशाल सलामे, नियमित गतिविधि अध्यक्ष नीलेश ब्रम्हने, सांस्कृतिक गतिविधि अध्यक्ष लोकेश सनोडिया, विवेक सरयाम, शिवम प्रजापति,आकांक्षा डेहरिया, रेशमी उइके, आकांक्षा शुक्ला, दीपिका बन्देवार आदि स्वयंसेवक उपस्थिति रहे।

राजीव भवन में पर्यावरण दिवस पर हुई संगोष्ठी

छिन्दवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला कांग्रेस सेवादल के तत्वावधान में आयोजित इस संगोष्ठी में पर्यावरणविदों ने अपने विचार व्यक्त करते उपस्थित कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं सहित उपस्थित आमजन से आग्रह किया कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने हेतु पॉलीथिन का कम से कम उपयोग करें साथ ही अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके पालन पोषण की जिम्मेदारी को भी पूरी तरह निभायें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी

अमरवाड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय अमरवाड़ा में संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को विकासखंड समन्वयक दूसरी वंदना राकेसिया प्रवीण सक्सेना सुभाष साहू के द्वारा संबोधित करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू नवांकुर संस्था के सदस्य को पर्यावरण को लेकर आवश्यक बातें बताई गई और अपने जन्मदिवस पर एक-एक पौधारोपण करने को लेकर कहा गया। आज के इस कार्यक्रम में जन अभियान परिषद विकासखंड अमरवाड़ा समन्वयक सुश्री वंदना राकेसिया परामर्शदाता राजेश तिवारी प्रवीण सक्सेना अंशुल जैन भारती सूर्यवंशी नवांकुर संस्था प्रगति सोपान समिति अनुपम प्रगति शिक्षा समिति के सदस्य प्रस्फुटन समिति के सदस्य एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन राजेश तिवारी के द्वारा किया गया।

पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जनपद कार्यालय में किया वृक्षारोपण

छिंदवाडा।। मिशन लाइफ व विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023 अंतर्गत जनपद पंचायत सीईओ शफी मोहम्मद कुरैशी एवं सीएम गौरव कुमार जैन के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश शासन सुशासन संस्थान भोपाल द्वारा संचालित युवा इंटर्शिप योजना अंतर्गत हर्रई ब्लॉक के 15 जनसेवा मित्र ने जनपद कार्यालय के समस्त स्टाफ के साथ आज विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रविंद्र भवन भोपाल में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम में जनपद पंचायत सीईओ हर्रई व ब्लाक के समस्त जन सेवा मित्रों ने वर्चुअली कार्यक्रम को देखा व सुना एवं पर्यावरण के प्रति समर्पण एवं उसके समुचित बचाव की शपथ ग्रहण की तत्पश्चात जनपद कार्यालय में वृक्षारोपण कार्य किया व वृक्षों के संरक्षण के संकल्प लिया।

पर्यावरण बचाने की ली गई शपथ

छिन्दवाड़ा/तमिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक कुलदीप सिंह ठाकुर के निर्देशन, विकासखंड समन्वयक श्री राजू मांडवे के मार्गदर्शन व नेतृत्व में, शासकीय महाविद्यालय तामिया के प्रांगण में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यावरणविद व राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित श्री विनोद तिवारी, विशेष अतिथि व समाजसेवी श्रीमती लता नागले, श्री मनीष तिवारी, नंदू निर्मलकर उपस्थित थे।

सुनी सुनाई

रवीन्द्र जैन

मप्र के सबसे भ्रष्ट कलेक्टर!

यह दावा हम नहीं कर रहे हैं। हम सोशल मीडिया पर किये जा रहे ऐसे दावों और आरोपों का समर्थन भी नहीं करते। लेकिन आश्चर्यजनक बात यह है कि हरदा कलेक्टर को मप्र का सबसे भ्रष्ट कलेक्टर बताते हुए पोस्ट डाली जा रही है। पांच दिन हो गये हैं। लेकिन कलेक्टर की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हरदा में आम आदमी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष आनन्द जाट ने फेसबुक पर हरदा कलेक्टर को मप्र का सबसे भ्रष्ट कलेक्टर लिखते हुए उज्जैन के महाकाल लोक के कथित भ्रष्टाचार के लिए उन्हें दोषी बताया है। जाट का दावा है कि महाकाल लोक निर्माण के समय हरदा कलेक्टर ऋषि गर्ग उज्जैन में नगर निगम आयुक्त थे। उन्होंने यह भी दावा किया है कि यह अफसर कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा का सबसे खास है। इस पोस्ट में हरदा कलेक्टर पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने हरदा के ग्राम कुसिया की 90 एकड़ वन भूमि की रजिस्ट्री कर दी है।

आपराधिक प्रकरण वापस लेने की कवायद शुरु

मप्र में विधानसभा चुनाव से 5 महीने पहले अचानक राज्य सरकार को भाजपा कार्यकर्ताओं पर चल रहे आपराधिक प्रकरण वापस लेने की याद आ गई है। सभी जिला कलेक्टरों को मौखिक निर्देश दिये गये हैं कि जिला भाजपा अध्यक्ष के साथ बैठकर प्रकरण वापस लेने के प्रस्ताव तत्काल तैयार कराये जाएं। भोपाल में इसके लिए विधि विभाग, अभियोजन शाखा को प्रस्तावों की समीक्षा करने और गृह विभाग को अंतिम निर्णय लेने के अधिकार दिए गये हैं। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को नोडल ऑफिसर बनाया गया है। आपराधिक प्रकरण वापसी का अनुमोदन गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा करेंगे। सरकार की ओर से इस कार्रवाई में काफी देर हो चुकी है। मंत्रालय में अटकलें लगाई जा रही है कि अभी तक तय नहीं है कि जनहित में राज्य सरकार किन किन धाराओं के प्रकरण वापस लेगी? यह भी अटकलें चल रही हैं कि इसका लाभ भाजपा कार्यकर्ता को ही मिलेगा कि भाजपा जिलाध्यक्षों से सांठगांठ करके आदतन आपराधी इसका लाभ न ले लें?

दीपक जोशी की कांग्रेस में पहली परीक्षा आज

आज जब आप इस खबर को पढ़ रहे होंगे तब भाजपा से कांग्रेस में आए दीपक जोशी अपनी पहली परीक्षा से गुजर रहे होंगे। यानि भोपाल की सड़कों पर कांग्रेस के पक्ष में पहली भगवा रैली निकल रही होगी। कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर इस भगवा रैली का स्वागत करेंगे। दरअसल कांग्रेस ने दीपक जोशी को भाजपा की भगवा राजनीति की काट तलाशने को कहा है। दीपक जोशी ने पहले झटके में ही भाजपा के लिए काम करने वाले संगठन बजरंग सेना को कांग्रेस की ओर लाने का काम किया है। बजरंग सेना के बैनर पर निकलने वाली भगवा रैली की सफलता असफलता दीपक जोशी के खाते में जाएगी। वैसे हमारे मुखबिर का कहना है कि कांग्रेस दीपक जोशी को पूरे मप्र में घुमाना चाहती है। दीपक जोशी के जरिये मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी सरकार पर तीखे हमने कराने की रणनीति बना रही है। दीपक क्या बोलेंगे यह कांग्रेस के रणनीतिकार तय करेंगे।

करोड़ों की हवेलियां, कौडियों के दाम!

तो क्या भोपाल में अफसरों की वैध अवैध कमाई से बनाई गई करोडों की हवेलियां अब कौडियों के भाव बिकेंगीं। भोपाल में तालाब के किनारे, टाइगर मूवमेंट इलाके में मप्र के अफसरों ने अपने रसूख का उपयोग कर अवैध कॉलोनी और उसमें नियमों की धज्जियां उड़ाकर बड़े बड़े बंगले तो बना लिए। इन्हें कानूनन जायज ठहराने इन अफसरों ने भोपाल के प्रस्तावित मास्टर प्लान में लगभग 3 वर्ष पहले यहां का एफएआर 0.06 से बढ़वाकर 0.75 प्रस्तावित करा लिया। इस प्रस्ताव के बाद इस अवैध कॉलोनी में जमीनों की रेट आसमान छूने लगी। एक एक हवेली की कीमत दस दस करोड़ के आसपास आंकी जाने लगी। लेकिन इस सप्ताह शिवराज सरकार ने मास्टर प्लान का जो अंतिम प्रारूप जारी किया है उसमें यहां का एफएआर 0.06 ही कर दिया है। यानि 10 हजार वर्गफीट प्लॉट पर मात्र 600 वर्गफीट ही निर्माण जायज माना जाएगा। अब अफसरों की इन अवैध हवेलियों पर बुल्डोजर चलना तय माना जा रहा है। रातों रात करोड़ों की हवेलियां कौड़ियों की हो गई हैं।

शिव-साधना का मानवीय पक्ष

शायद पहली बार इस कॉलम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी पत्नी साधना सिंह की तारीफ में कुछ लाइनें लिख रहे हैं। इस दम्पत्ति ने अपने घोर राजनीतिक विरोधी की जिस तरह देखरेख की वह वाकई तारीफ के काबिल है। 1996 में विदिशा संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट पर

हृदयमोहन जैन ने शिवराज सिंह चौहान को टक्कर दी थी। हृदयमोहन जैन चुनाव हार गये। शिवराज सिंह चौहान चुनाव जीतकर भी हृदयमोहन जैन का आशीर्वाद लेने उनके घर पहुंचे थे। बीते 27 वर्षों से शिवराज और साधना सिंह दोनों हृदयमोहन जी को पितातुल्य मानकर उन्हें सम्मान देते रहे हैं। इस सप्ताह हृदयमोहन जैन गंभीर बीमार होकर भोपाल के बसंल अस्पताल में भर्ती हुए तो साधना सिंह तत्काल अस्पताल पहुंचीं और अपनी देखरेख में हृदयमोहन जी के आपरेशन की तैयारी कराई। शिवराज जी फोन पर हालचाल लेते रहे। जब तक हृदयमोहन जी ठीक होकर अपने घर नहीं पहुंच गये तब तक शिवराज और साधना उनकी देखरेख करते रहे। जबकि इन 27 वर्षों में हृदयमोहन जी ने कांग्रेस के मंच से शिवराज सरकार पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है।

कोर्ट कार्रवाई से क्यों भाग रहे हैं रिटायर आईएएस?

मप्र में ईमानदारी का चोला ओढ़कर भ्रष्टाचार का घी पीने वाले एक रिटायर आईएएस अपने कार्यकाल में पत्रकारों को डराने के लिए अपने खिलाफ छपने वाली हर खबर पर कोर्ट केस लगा देते थे। रिटायरमेंट के बाद अब यही केस उनके लिए सिरदर्द बन गये हैं। एक पत्रकार उनके खिलाफ छपी खबर के सारे साक्ष्य लेकर कोर्ट पहुंच जाता है। लेकिन इस अफसर की हिम्मत नहीं हो रही कि इन साक्ष्यों का सामना कर सके। कोर्ट से बचने अफसर कभी बुखार तो कभी घुटने में चोट का बहाना करके गायब हो जाते हैं। फिलहाल कोर्ट ने अगली पेशी पर सशरीर मौजूद रहने की सख्त हिदायत दे दी। मजेदार बात यह है कि इस अफसर के खिलाफ लोकायुक्त ने भी जांच पंजीबद्ध कर ली है। रिटायरमेंट के पहले अफसर ने भोपाल में जो महलनुमा कोठी बनाई थी, वह भी सरकारी दस्तावेजों के अनुसार अवैध घोषित हो गई है। यानि अफसर ने रिटायरमेंट के बाद शान से जीने के लिए जो धन और वैभव एकत्रित किया था, अब वह ही उनके जी का जंजाल बन गया है।

और अंत में...!

राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले किसी सक्रिय कार्यकर्ता की तारीफ यदि विरोधी दल के नेता करें तो कार्यकर्ता का उत्साह कई गुना बढ़ जाता है। पिछले दिनों इंदौर में भाजपा की वरिष्ठतम नेता, पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन (ताई) ने मप्र कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। दरअसल प्रेस क्लब के एक कार्यक्रम में ताई मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। मंच पर बैठे मप्र भाजपा के नव नियुक्त प्रवक्ता गोविन्द मालू को पुन-प्रवक्ता बनने की बधाई देते हुए ताई ने कहा कि मालू की नियुक्ति इस बात का प्रमाण है कि भाजपा ने सही निर्णय लिया है। कांग्रेस के केके मिश्रा पूरे अध्ययन के साथ भाजपा और हमारी सरकार पर हमले करते हैं। मैं उनकी इस शैली की प्रशंसा भी करूंगी। लेकिन अब मालू की नियुक्ति के बाद केके मिश्रा के हमलों का जबाव देने वाला भाजपा में सामने आ गया है।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर ने आज सपरिवार बोट क्लब पहुंच कर अवलोकन किया एवं क्रूज बोट के सफर का आनंद उठाया।

कर्मचारी मंच ने विश्व पर्यावरण दिवस पर 500 पौधे रोपे, 10000 पौधे वितरित किए

भोपाल। 51वे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कर्मचारी मंच ने भोपाल के डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क लिंक रोड नंबर 3 एवं खेल परिसर 74 बगला में पौधारोपण किया तथा पत्रकार कॉलोनी मैंनिट चौराहा कोलार चौराहा पर पौधा वितरण किया गया साथ ही पूरे प्रदेश में 500 पौधे रोपे तथा जनमानस को 10000 पौधे वितरित करके पौधा लगाने एवं उसकी रक्षा करने का संकल्प लिया गया कार्यक्रम में अशोक पांडे, सुनील पाठक, श्याम बिहारी सिंह, सत्येंद्र पांडे, चांद सिंह मुख्तार खां, हरी सिंह दरबार, प्रीतम मेहर, वेसता डामोर, थावरिया भील, श्याम नृत्य, गोपाल भील, मिश्री लाल मालवीय , देवराज विश्वकर्मा, भूपेंद्र पांडे, भगवानदास बिल्लोरे, श्याम लाल विश्वकर्मा, भानु प्रताप सिंह, सेवाराम आदि कर्मचारी मंच के सैकड़ों पदाधिकारियों ने भाग लिया है।

शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस पर लिंक रोड नंबर 1 पर लगी शिवाजी की मूर्ति पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया